संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 48
पृष्ठ 8
बुधवार
06 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– त्योहारों में बार-बार...

विचार– मोदी की गलतबयानी...

खेल– हेजलवुड ने कहा, ऑस्ट्रेलिया....

चुनाव रैली के दौरान हेमंत सोरेन सरकार पर गरजे सीएम योगी, बोले

माफिया को संरक्षण दे रहा जेएमएम गठबंधन

● यूपी की तरह झारखंड में भी माफिया को खत्म करने के लिए बीजेपी को सत्ता में लाएं

कोडरमा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को झारखंड में चुनाव रैली के दौरान हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला। सीएम योगी ने झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन पर माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया और लोगों से भाजपा को वोट देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद माफिया को जमींदोज कर दिया जाएगा। सीएम आदित्यनाथ ने कहा कि उनके गृह राज्य उत्तर प्रदेश में माफिया के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यह भाजपा ही है जो लोगों को सुरक्षा की गारंटी दे सकती है। कोडरमा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन झारखंड में भूमि, रेत, जंगल, खनन और शराब जैसे क्षेत्रों में माफिया को संरक्षण दे रहा है। उत्तर प्रदेश की तरह झारखंड में भी माफिया को खत्म करने के लिए भाजपा को सत्ता में लाएं। आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि जैसे औरंगजेब ने देश की संपत्ति लूटी और मंदिरों को नष्ट किया, उसी तरह झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन और आलमगीर आलम सहित उसके मंत्रियों ने झारखंड के लोगों को लूटा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा एकमात्र पार्टी है जो देश की सुरक्षा और गौरव, महिला सशक्तिकरण और युवाओं को रोजगार की गारंटी दे सकती है। सीएम योगी ने कांग्रेस पर अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 500 साल बाद राम लला अब उस मंदिर में विराजमान हैं और राम मंदिर प्रतिष्ठा ने मथुरा और अन्य मंदिरों के लिए मार्ग प्रशस्त किया है। यूपी के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पीएम मोदी 'सबका साथ, सबका विकास' में विश्वास करते हैं और भगवा पार्टी कभी भी जाति, पंथ, धर्म, भाषा या लिंग के आधार पर लोगों से भेदभाव नहीं करती है। सीएम योगी ने कहा, भाजपा सुनिश्चित करती है कि देश की सुरक्षा से कोई समझौता न हो। पाकिस्तान पहले भारत को धमकी देता था। अब, मोदी शासन के दौरान वह संयुक्त राष्ट्र में दावा करता है कि भारत उसके लिए खतरा बन गया है। आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान भारतीय क्षेत्र में घुसने वाली चीनी सेनाएं अब पीछे हट रही हैं। कांग्रेस के समय चीन भारत में घुसता था, आज उसकी सेना पीछे हट रही, भारत का नाम सुन पाकिस्तान कंपकंपी आती है। पीएम मोदी ने कश्मीर से धारा 370 हटा दी। झारखंड में बीजेपी की रैली में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आपने हरियाणा चुनाव का नतीजा देखा होगा। बीजेपी को बहुमत मिला, कांग्रेस बुरी तरह हार गई। पीएम मोदी के नेतृत्व में विकास, सुरक्षा और अच्छाई के आश्वासन के कारण ऐसा संभव हुआ। मैं आपसे तेजी से सर्वांगीण विकास के लिए यहां डबल इंजन सरकार लाने की अपील करता हूं। सीएम आदित्यनाथ कोडरमा से भाजपा उम्मीदवार नीरा यादव और बरकट्ठा से अमित यादव के लिए प्रचार कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा, जातियों में बंटिए मत, देश का इतिहास गवाह है, जब भी जाति, क्षेत्र व भाषा के नाम पर बंटे हैं तो निर्ममता से कटे हैं। एक आलमगीर औरंगजेब ने देश को लूटा तो झारखंड के आलमगीर ने गरीबों को लूटा। झारखंड में माफिया को सरकार का प्रश्रय मिलता है, यूपी से माफिया ऐसे गायब हो गए हैं, जैसे गधे के सिर से सींग। अन्यायी और अत्याचारी को जन्नत नहीं, जहन्नुम ही मिलेगा। सीएम योगी ने कहा, दुस्साहस की पराकाष्ठा तब होती है जब पर्व–त्योहार में उनके द्वारा मां दुर्गा, रामनवमी जुलूस पर पथराव होता है। जिस प्रकार झारखंड में रोहिंग्या की घुसपैठ शुरू कराई गई है, डेमोग्राफी बदली है, जो लोग आज यात्रा रोक रहे हैं, आने वाले समय में घरों में घंटी व शंख नहीं बजाने देंगे। नए भारत का नया उत्तर प्रदेश निर्दोष नागरिकों–हिंदुओं को छेड़ने वाले को छोड़ता नहीं है। कांग्रेस, राजद और झामुमो विनाश के दूत और भ्रष्टाचार के फरिश्ते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कोडरमा से डॉ. नीरा यादव, बरकठा से अमित यादव, बड़कागांव से रोशनलाल चौधरी, हजारीबाग सदर से प्रदीप प्रसाद, जमशेदपुर पूर्व से पूर्णिमा दास साहू, पश्चिम से सरयू रॉय, पोटका से मीरा मुंडा व जुगसलाई से रामचंद्र सहिस के लिए मांगे वोट। 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा के लिए चुनाव 13 और 20 नवंबर को होंगे और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

एशिया को मजबूत बनाने के लिए बौद्ध धर्म की भूमिका पर चर्चा हो : मुर्मु

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि विभिन्न संकटों से गुजर रहे विश्व को की सहायता के लिए बौद्ध समुदाय के पास बहुत ज्ञान और शिक्षाएं हैं तथा एशिया को मजबूत बनाने के लिए भी बौद्ध धर्म की भूमिका के बारे में चर्चा करने की आवश्यकता है। श्रीमती मुर्मु ने कहा, " वास्तव में, हमें इस बारे में विस्तार से चर्चा करनी होगी कि बुद्ध धर्म एशिया और दुनिया में शांति, वास्तविक शांति कैसे ला सकता है – ऐसी शांति, जो न केवल शारीरिक हिंसा से बल्कि सभी प्रकार के लालच और घृणा से भी मुक्त हो – बुद्ध के अनुसार, ये दो मानसिक शक्तियां हमारे समस्त दुखों का मूल कारण हैं।" वह यहां प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। इस सम्मेलन का आयोजन अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के सहयोग से केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया गया। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा," यह शिखर सम्मेलन बुद्ध की शिक्षाओं की हमारी साझा विरासत के आधार पर हमारे सहयोग को मजबूत बनाने की दिशा में दूरगामी प्रभाव उत्पन्न करेगा।" राष्ट्रपति ने कहा कि आज जब दुनिया कई मोर्चों पर अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है, उसके सामने केवल संघर्ष ही नहीं, बल्कि जलवायु संकट भी है, तो ऐसे में इस विशाल बौद्ध समुदाय के पास मानवता को देने के लिए बहुत कुछ है। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म के विभिन्न संप्रदाय दुनिया को दर्शाते हैं कि संकीर्ण संप्रदायवाद का मुकाबला कैसे किया जाए। उनका मुख्य संदेश शांति और अहिंसा पर केंद्रित है। यदि कोई एक शब्द बुद्ध धम्म को व्यक्त कर सकता है, तो वह है श्करुणाश या दया, जिसकी आज दुनिया को जरूरत है। श्रीमती मुर्मु ने कहा," बुद्ध की शिक्षाओं का संरक्षण हम सभी के लिए एक महान सामूहिक प्रयास रहा है।" उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत सरकार ने अन्य भाषाओं के साथ–साथ पाली और प्राकृत को भी 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया है। उन्होंने कहा कि पाली और प्राकृत को अब वित्तीय सहायता मिलेगी, जो उनके साहित्यिक खजाने के संरक्षण और उनके पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उन्होंने कहा कि भारत धर्म की पवित्र धरती है। हर युग में भारत में महान गुरु और रहस्यवादी, द्रष्टा और साधक हुए हैं, जिन्होंने मानवता को अपने भीतर की शांति और बाहर सद्भाव खोजने का मार्ग दिखाया है। इन पथप्रदर्शकों में बुद्ध का अद्वितीय स्थान है।

जेएमएम–कांग्रेस अब फुस्स हो चुके पटाखे : राजनाथ सिंह

रांची, एजेंसी। झारखंड के रांची में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावक रहे मंडल मुर्मू के भाजपा में शामिल होने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि झारखंड में कौन सरकार बनाने जा रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मंडल मुर्मू ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के प्रस्तावक के रूप में अपना नाम वापस ले लिया है और बीजेपी में शामिल होने का फैसला किया है। मंडल मुर्मू समझ गये कि झामुमो की नैया डूब रही है। साफ है कि एनडीए यहां सरकार बनाएगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि झामुमो, कांग्रेस, राजद अब फुस्स हो चुके पटाखे हैं, भाजपा एक शक्तिशाली रॉकेट है जो झारखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि जेएमएम का मतलब 'जमकर मलाई मारो' है, यह आदिवासियों का खून चूसता है। राजनाथ सिंह ने सवाल करते हुए कहा कि मैं हेमंत सोरेन से पूछता हूं कि घुसपैठिए झारखंड में क्यों आ रहे हैं?, आदिवासी आबादी 28 प्रतिशत तक क्यों सिमट गई? उन्होंने लोगों से अपील की कि भाजपा को दो कार्यकाल दीजिए, झारखंड विकसित राज्यों की कतार में होगा। भाजपा नेता ने कहा कि झारखंड में अब तक यहाँ के सात मुख्यमंत्रियों में से तीन को जेल जाना पड़ा है। इनमें एक भी मुख्यमंत्री भाजपा का नहीं है। भाजपा ने हमेशा ठीक ढंग से सरकार चलाई है। श्रडड की सरकार जब जब आयी भ्रष्टाचार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि श्रडड, कांग्रेस और राजद ने झारखंड को ठगा है। ये दल इस प्रदेश के विकास में स्पीडब्रेकर बने हुए हैं। ये स्पीडब्रेकर इस बार के चुनावों में तोड़ दीजिये। राजनाथ ने कहा कि देशभर में करीब 60 हज़ार आदिवासी गांवों के विकास के लिए विशेष योजना की घोषणा की गई है। आदिवासियों में भी जो पिछड़े हैं उनके विकास के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना चलाई है। मोदीजी ने आदिवासी कल्याण की चिंता की है। उन्होंने दावा किया कि म झारखंड में सरकार बनने पर अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ को रोकने और आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा करेंगे। घुसपैठियों द्वारा कब्जाई आदिवासी जमीन को वापस लौटाने के लिए कानून बनाएंगे।

हिन्दुओं को जातियों में बांटने की अखिलेश की कोशिश होगी नाकाम : भाजपा

देवरिया,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता एसएन सिंह ने मंगलवार को कहा कि वोट बैंक की राजनीति करने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव की हिन्दू समुदाय को जाति में बांटने की कोशिश सफल नहीं

हो पायेगी। श्री सिंह ने कहा कि 'एक रहेंगे तो नेक रहेंगे' के नारे ने अखिलेश यादव की नींद उड़ा दी है। उनकी बैचौनी का आलम यह हैं कि अब तो उनके 'नवरत्न' भी उनको सुझाव नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा "सब लोग जानते थे कि अखिलेश की पार्टी का नाम समाजवादी और काम समाजबाटी का है। जब जनता के बीच भेद खुल गया तो अब वे अब हिन्दुओं को जाति में बांटने का काम करने लगे। वे जनता को भ्रमित करने के लिए रोज नये नारे गढ रहे हैं, लेकिन उनकी यह कोशिश निरर्थक साबित हो रही है।"

उप्र मदरसा अधिनियम को रद्द करने वाला इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला खारिज

नयी दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 22 मार्च 2024 के उस फैसले को मंगलवार को खारिज कर दिया, जिसमें श्उत्तर प्रदेश मदरसा अधिनियम 2004श को असंवैधानिक और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करने वाला करार दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अंजुम कादरी और अन्य द्वारा दायर याचिका पर यह फैसला सुनाते हुए कहा अधिनियम उत्तर प्रदेश में शिक्षा के

मानकों को विनियमित करता है। पीठ ने कहा, "अल्पसंख्यकों को शैक्षणिक संस्थानों का प्रशासन करने का अधिकार पूर्ण नहीं है और राज्य ऐसी शिक्षा के मानकों को विनियमित कर सकता है।" पीठ ने कानून की वैधता को बरकरार रखते हुए कहा कि राज्य का वहां शिक्षा के मानकों को बेहतर बनाने के लिए मदरसों को विनियमित करने में महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने कहा कि अधिनियम राज्य को मानक निर्धारित करने के लिए नियम बनाने की शक्ति देता है। पीठ ने हालांकि कहा कि अधिनियम, जिस हद तक 'फाजिल' और 'कामिल' डिग्री के संबंध में उच्च शिक्षा को विनियमित करता है, वह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम के विरोधाभासी और कुछ हद तक यह असंवैधानिक है। उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत ने 22 अक्टूबर को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायालय ने तब कहा था कि देश में धार्मिक शिक्षा कभी भी अभिशाप नहीं रही है, क्योंकि यह केवल मुसलमानों के लिए ही नहीं, बल्कि हिंदुओं, सिखों, ईसाइयों आदि के लिए भी उपलब्ध है और देश को संस्कृतियों, सभ्यताओं और धर्मों का मिश्रण होना चाहिए।

स्नेही साहित्यकार सम्मान 2024 वरिष्ठ साहित्यकार जया मोहन एवं वरिष्ठ साहित्यकार प्रेमा राय को'

प्रयागराज । स्नेही काव्य मंच द्वारा दिया जाने वाला हर वर्ष श्स्नेही साहित्यकार सम्मान इस वर्ष एक सम्मान समारोह में प्रयागराज की वरिष्ठ साहित्यकार जया मोहन एवं वरिष्ठ साहित्यकार प्रेमा राय जी को दिया जाएगा जिसकी अध्यक्षता डॉ० रामजी मिश्र करेगें। मुख्य अतिथि डॉ० कल्पना वर्मा रहेगीं। संचालन उमेश श्रीवास्तव करेगें। सम्मान समारोह के पश्चात एक सरस काव्यगोष्ठी भी होगी। यह आयोजन 11 नवम्बर 2024 को बड़े डाकघर सिविल लाइन प्रयागराज में होगा। उक्त जानकारी स्नेही काव्य मंच की साहित्यिक संयोजक एवं अशोक स्नेही की पुत्री अलका श्रीवास्तव ने दी।

प्रयागराज में सूदखोरों से परेशान रिक्शा चालक ने दी जानः पत्नी ने तीन भाइयों के खिलाफ दी तहरीर, बोली-आरोपियों ने मकान कब्जा करने की दी थी धमकी

प्रयागराज। प्रयागराज के यमुनानगर के करछना थाना अंतर्गत डीहा गांव में रिक्शा चालक ने सूदखोरों से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी का कहना है, उनके पति सूदखोरों से परेशान थे, वह उन्हें मकान कब्जा करने की धमकी दे रहे थे। रुपए चुकाने के बाद भी उनके पति को परेशान किया जा रहा था। सूदखोरों से तंग आकर उनके पति ने फंदा लगाकर जान दे दी। पत्नी ने पुलिस को तहरीर दी है। यमुनानगर के करछना थाना अंतर्गत डीहा गांव निवासी राजा बाबू के माता–पिता की मौत हो चुकी है। वह मुंबई में रिक्शा चलाकर परिवार का पालन पोषण कर रहे थे। उनकी पत्नी सुमन देवी अपनी तीन बेटियों के साथ गांव में रहती हैं। दीपावली पर राजाबाबू घर आए थे। मंगलवार की सुबह कमरे में पत्नी की साड़ी के फंदे से छत के चुल्ले में फांसी लगा ली। घरवालों ने देखा तो उनकी चीख निकल गई। गांव वालों ने राजा बाबू को नीचे उतारा, लेकिन तब तक में उसकी मौत हो चुकी थी। पत्नी सुमन देवी के मुताबिक राजा बाबू ने कुछ महीने पहले गांव के ही दिनेश सोनकर, मनोज सोनकर और मुन्ना सोनकर से कुछ रुपए उधार लिए थे। जिसे राजाबाबू ने चुकता कर दिया था। बावजूद इसके तीनों भाई अपना पैसा बकाया बता रहे थे। सुमन के अनुसार 4 नवंबर की शाम 7रू00 बजे दिनेश, मनोज और मुन्ना सोनकर ने मिलकर उसके पति को मारा पीटा था। घर कब्जा करने की धमकी दी थी। आरोपियों का कहना है कि उन्होंने जो रुपए दिए थे, उसका 10,000 रुपए अभी भी बकाया है। जबकि पत्नी का दावा है कि उनके पति ने बताया था कि पूरा पैसा चुकता कर दिया है। इसके बाद भी यह लोग परेशान कर रहे थे। सूदखोरों ने धमकी दी थी कि अगर राजाबाबू उनके बकाया 10,000 रुपए नहीं देगा तो वो तीनों लोग उसका घर कब्जा कर लेंगे। इसी धमकी से डरे राजा बाबू ने जान दे दी। पत्नी ने बताया कि एक साल पहले रुपए लिए थे। चार माह पहले पति ने ब्याज समेत पूरे पैसे वापस कर दिए थे। सुमन देवी ने दिनेश सोनकर, मनोज सोनकर और मुन्ना सोनकर के खिलाफ करछना थाने में नामजद तहरीर दी है। करछना पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पीएम रिपोर्ट और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अब 20 को घोषित होगा अवकाश, ड्यूटी लिस्ट नए सिरे से हो रही तैयार

प्रयागराज। यूपी उपचुनाव में वोटिंग की तारीख बदल गई है। प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा सीट पर अब 13 नवंबर के बजाय 20 नवंबर को मतदान होगा। चुनाव आयोग ने नई तारीख का ऐलान कर दिया है। ऐसे में अब प्रयागराज में 13 नवंबर को

सार्वजनिक अवकाश की जो घोषणा की गई थी अब उसे निरस्त किया गया है। डीएम प्रयागराज ने 13 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर कोषागार तथा उप कोषागार बंद रखने का निर्देश दिया था। अब इसकी तारीख 20 नवंबर की जाएगी। सार्वजनिक अवकाश के साथ ही मतदान को लेकर ड्यूटी लगने लगी थी। प्रशासनिक कर्मचारी, शिक्षकों की ड्यूटी 13 नवंबर को लगाए जाने का पत्र जारी हो गया था। अब पुराने आदेश पत्र को रद कर नया ड्यूटी चार्ज तैयार किया जा रहा है। प्रशासन के चुनाव कार्यालय में गतिविधियां बढ़ गई हैं। ड्यूटी लिस्ट, ड्यूटी चार्ट आदि में बदलाव किया जा रहा है। प्रशासन के साथ ही पुलिसकर्मियों की ड्यूटी आदि में भी बदलाव हो रहा है। इस संबंध में डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़ ने जनपद के समस्त विभागाध्यक्ष, कार्यालयाध्यक्ष अपने अधीनस्थ कर्मचारियों, जिनकी ड्यूटी इस विधान सभा उप निर्वाचन में लगाई गई है, उन्हें बैठक में बुलाया है। संगम सभागार में उप निर्वाचन–2024 को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से कराने को लेकर ईवीएम मशीनों, मतदान कार्मिकों एवं माइक्रोआब्जर्वर का द्वितीय रैंडमाइजेशन की नई तारीख अभी तय नहीं की गई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकील आज करेंगे काम गाजियाबाद जिला जज के खिलाफ आपराधिक अवमानना वाद दाखिल होगा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील मंगलवार को कामकाज करेंगे। ऐसे में हाईकोर्ट में कई दिन बाद गहमागहमी होगी। दिवाली की छुट्ष्टी के बाद हाईकोर्ट तो खुला लेकिन गाजियाबाद में वकीलों पर लाठीचार्ज की वजह से वकीलों ने न्यायिक कार्य से विरत रहने का फैसला ले लिया। अब मंगलवार को वकील कार्य करेंगे। कई बड़े मामलों की सुनवाई भी होगी। गाजियाबाद जिला न्यायालय में अधिवक्ताओं पर पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के विरोध में हाईकोर्ट के वकीलों का न्यायिक कार्य से बहिष्कार का निर्णय समाप्त हो गया। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने प्रस्ताव पारित कर मंगलवार से काम करने का निर्णय लिया है। पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि जिला जज गाजियाबाद अनिल कुमार के खिलाफ आपराधिक अवमानना वाद तैयार हो गया है जो अविलंब दाखिल कर दिया जाएगा। हाईकोर्ट के वकीलों के कार्य बहिष्कार के चलते हाईकोर्ट में न्यायिक कार्य नहीं हुआ। चीफ जस्टिस की बेंच समेत अन्य अदालतें अपने अपने न्याय कक्ष में बैठी, परन्तु वकीलों के कोर्ट में अनुपस्थित के कारण जजेज उठकर अपने चौंबर में चले गए। इधर इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के वकीलों में गाजियाबाद की घटना को लेकर काफी आक्रोश रहा। वकीलों ने लाठीचार्ज के विरोध में पुलिस प्रशासन का पूतला भी फूंका। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी ने कल गाजियाबाद के जिला जज के विरुद्ध आपराधिक अवमानना का वाद दाखिल करने, जिला जज और संबंधित पुलिस अधिकारियों की तत्काल प्रभाव सेवा से बर्खास्तगी तथा घायल वकीलों को अविलम्ब क्षतिपूर्ति राशि देने का प्रस्ताव पास किया। रविवार शाम एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी की अध्यक्षता में हुई कार्यकारिणी की आकस्मिक बैठक में गाजियाबाद जिला न्यायालय में जिला जज द्वारा पुलिस बुलाकर न्यायालय कक्ष में वकीलों पर बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज कराने की भर्त्सना की गई। कहा गया कि वकीलों को तीन तरफ से प्रताड़ित करने का कार्य न्यायालयों द्वारा किया जा रहा है। यदि वकील किसी न्यायिक अधिकारी के गलत कृत्य के विरुद्ध कोई बात कहता तो संबंधित न्यायिक अधिकारी उसके विरुद्ध तत्काल आपराधिक अवमानना का संदर्भ उच्च न्यायालय प्रेषित कर देता है और उच्च न्यायालय में उक्त संदर्भ पर सुनवाई करते वक्त अधिवक्ता को अपना पक्ष रखने से रोककर बिना शर्त माफी मांगने का मजबूर किया जाता है। अब वकीलों को न्यायालय कक्ष में पुलिस बुलाकर लाठी से पीटने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है और वकीलों द्वारा ऐसे किसी न्यायिक अधिकारी की मनमानी के विरोध में हड़ताल करने पर आपराधिक अवमानना की कार्यवाही भी प्रस्तावित कर दी जाती है। कुल मिलाकर यह है कि वकीलों को किसी भी प्रकार अपनी बात कहने का अधिकार नहीं रह गया है।

यहूदी धर्म छोड़कर हिंदू बनने जा रही हूं...ईशा बेंजामिनः प्रयागराज में किन्नर अखाड़े में महंत बनेंगी, अमेरिकन बैंक में करती हैं नौकरी

प्रयागराज। यहूदी परिवार में जन्म लेने वाली ट्रांसजेंडर ईशा बेंजामिन अब हिंदू धर्म अपनाने जा रही हैं। महाकुंभ से पहले वह किन्नर अखाड़ा में महंत बनेंगी। अखाड़े की तरफ से उनका पट्टाभिषेक किया जाएगा। किन्नर अखाड़े के जरिए वह सनातन धर्म अपना रही हैं। किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर के साथ वह प्रयागराज आई हैं। 3 नवंबर को नगर प्रवेश में वह भी शामिल थीं। ईशा कहती हैं – मैं जन्म से ही यहूदी धर्म को मानती रही। मां हिंदू धर्म से और पिता यहूदी थे। मेरा ज्यादातर समय मां के साथ बीता है। ईशा पोस्ट ग्रेजुएट हैं। वह अमेरिकन बैंक थ्ै में कार्यरत हैं। वह महाराष्ट्र से आती हैं। दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने कहा– मां के हिंदू होने की वजह से सनातन धर्म की ओर शुरू से

झुकाव था। सनातन धर्म के बारे में मां से बहुत कुछ सीखा और जाना। मैं 3 साल पहले किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के संपर्क में आई। उसके बाद से सनातन ध र्म के बारे में बहुत कुछ जानकारी हुई है। उन्होंने कहा– किन्नर अखाड़े में शामिल होकर सनातन धर्म का प्रचार–प्रसार करूंगी। हिंदू धर्म में क्यों आई हैं? उन्होंने कहा– मैंने धर्मों के बारे में पढ़ा। मुझे हिंदू धर्म सबसे अच्छा लगा। इस धर्म में खुलकर जीने की आजादी है। जब मेरे पिता जी थे, तब मैं यहूदी धर्म का विरोध नहीं कर सकती थी। पिता जी के निधन के बाद हमने सनातन धर्म को अपना लिया है। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने कहा– ईशा पढ़ी–लिखी हैं और वह सनातन धर्म के बारे में बहुत कुछ जानती हैं। महाकुंभ में ईशा बेंजामिन को किन्नर अखाड़ा का महंत बनाया जाएगा। जगद्गुरु स्वामी नारायणाचार्य शांडिल्य महाराज ने किन्नर अखाड़ा की इस पहल का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि आज सनातन धर्म को मजबूती और प्रचार–प्रसार की जरूरत है, इसके लिए किन्नर अखाड़ा की पहल सराहनीय है। उत्तर प्रदेश किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य और किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि (टीना मां), महामंडलेश्वर पवित्रा नंद गिरी, महामंडलेश्वर स्वामी गायत्री नंद गिरि, राजीव कुमार मिश्र, प्रधानाचार्य डॉ. हरिप्रकाश यादव ने ईशा बेंजामिन का प्रयागराज में स्वागत किया।

फूलपुर में अखिलेश की जनसभा 9 या 10 नवंबर कोरूसपा प्रमुख के आने से बदलेगी सियासत, पदाधिकारी तैयारियों में जुटे

प्रयागराज। प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को देखते हुए भाजपा के तमाम कैबिनेट मंत्री क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी फूलपुर विधानसभा क्षेत्र में बड़ी जनसभा करने आ रहे हैं। अभी 9 या 10 नवंबर को यहां आने के संकेत मिले हैं। पार्टी के पदाधिकारी जनसभा स्थल पर पहुंचकर तैयारियों को देख रहे हैं। बाबूगंज के पास स्थित हाईवे के किनारे स्थान चिह्नित किया जा रहा है। अखिलेश के आने के बाद यहां की सियासत और बदलेगी। फूलपुर उपचुनाव के प्रभारी व सपा के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज खुद जनसभा स्थल पहुंचकर रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। जहां पर जनसभा होनी है वहीं पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज ने पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। दरअसल, बीते लोकसभा चुनाव के पहले 19 मई को अखिलेश यादव व राहुल गांधी संयुक्त रूप से फूलपुर लोकसभा सीट के पड़िला महादेव के पास बड़ी जनसभा करने पहुंचे थे। लेकिन दोनों नेताओं के मंच पर पहुंचते ही पार्टी के कार्यकर्ता ही बैरिकेंटिंग को तोड़ते हुए मंच पर जाने का प्रयास करने लगे। इससे स्थिति बिगड़ गई। इसके बाद अखिलेश यादव व राहुल गांधी ने बिना जनसभा को संबोधित किए तुरंत वापस जाना पड़ा था। राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 9 या 10 नवंबर को फूलपुर क्षेत्र में जनसभा करने आ रहे हैं। इसके लिए हम लोग तैयारियों में जुटे हैं। पदाधिकारियों के साथ लगातार समीक्षा की जा रही है। उम्मीद है इसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचेंगे।

इरफान सोलंकी मामले में कल होगी हाईकोर्ट में सुनवाईः राज्य सरकार और इरफान सोलंकी को अमेंडमेंट एप्लीकेशन दाखिल करने का समय दिया गया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मंगलवार को कानपुर के सीसामऊ से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की सजा के खिलाफ अपील और जमानत पर सुनवाई टल गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इरफान सोलंकी और राज्य सरकार को संशोधन आवेदन दाखिल करने के लिए समय दिया है। राज्य सरकार और इरफान सोलंकी की तरफ से 1 जुलाई से लागू हुए नए कानून के तहत अमेंडमेंट एप्लीकेशन दाखिल करने के लिए समय मांगा गया था। इसी पर कोर्ट ने सुनवाई टालते हुए दोनों को समय दिया। अब मामले की सुनवाई कल बुधवार को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को जमानत पर 10 दिन के अंदर सुनवाई करने का निर्देश दिया था। आदेश के परिपेक्ष्य में हाईकोर्ट में लिस्टिंग एप्लिकेशन डाली गई। जिस पर सुनवाई के बाद अदालत ने जमानत पर सुनवाई के लिए पांच नवंबर की तिथि तय की थी। अब छह नवंबर को सुनवाई होगी। सोलंकी बंधुओं पर कानपुर की एक महिला का घर जलाने के केस में अदालत ने सात साल कैद की सजा सुनाई है। जिसे उन्होंने अपील में चुनौती दी है। सात साल की कैद की सजा को उम्रकैद में तब्दील करने की मांग में राज्य सरकार ने भी शासकीय अपील दाखिल की है। कानपुर की अदालत ने इरफान और अन्य के विरुद्ध सात साल की सजा सुनाई थी। अपील के लंबित रहने के दौरान जमानत पर रिहा करने की मांग की गई है। अब अपील पर इलाहाबाद हाईकोर्ट सुनवाई कर फैसला रिजर्व कर सकता है।

हाईकोर्ट का मऊ के पंचायत भवन निर्माण पर रोक जारीः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन के पुनर्निर्माण का फंड उपलब्ध कराने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मऊ जिले की तहसील मोहम्मदाबाद गोहाना की ग्राम पंचायत अलाउद्दीनपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन को आंशिक ध्वस्त कर पंचायत भवन निर्माण करने पर रोक छह हफ्ते तक जारी रखी है। इस दौरान डीएम व सीएमओ मऊ को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रध जच्चा–बच्चा केंद्र के जर्जर भवन के पुनर्निर्माण की चार हफ्ते में जांच रिपोर्ट तैयार करने व उसके दो हफ्ते में पुनर्निर्माण की कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग उप्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का पुनर्निर्माण कराने का फंड उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि पंचायत भवन स्वास्थ्य केंद्र निर्माण में अवरोधक न बने इसलिए पंचायत भवन के नक्शे में जरुरी संशोधन किया जाय। कोर्ट ने आदेश के अनुपालन के लिए इसकी प्रति प्रमुख सचिव स्वास्थ्य उ प्र, प्रमुख सचिव पंचायत राज उप्र, जिलाधिकारी व सीएमओ मऊ को भेजने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहाली को लेकर स्वतरू कायम जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। दीपचंद ने जनहित याचिका दायर कर पंचायत भवन निर्माण पर रोक लगाने की मांग की, किंतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहाली की मांग नहीं की। इसलिए कोर्ट ने उन्हें याची होने से अवमुक्त कर दिया और स्व प्रेरित जनहित याचिका कायम की। कोर्ट के पूर्व आदेश पर पवन कुमार सिंह व जयदीप कुमार सिंह न्यायमित्र व कोर्ट कमिश्नर ने रिपोर्ट के साथ सुझाव पेश किए। ग्राम प्रधान श्रीमती शमा परवीन व तहसीलदार मोहम्मदाबाद गोहाना हलफनामे के साथ हाजिर हुए। ग्राम प्रधान ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र भवन जर्जर हालत में है। जिसको ध्वस्त किए जाने की जरूरत है।उसी आबादी भूमि पर गांव सभा प्रस्ताव से पंचायत भवन निर्माण हो रहा है। जच्चा–बच्चा केंद्र 1987 मे बना था।पिछले 8 साल से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। भवन जर्जर हालत में है। कोर्ट ने कहा प्रधान ने स्वास्थ्य केंद्र की बहाली के लिए किसी भी प्रधान द्वारा कोई प्रस्ताव नही भेजा गया।जबकि गांव में जच्चा–बच्चा केंद्र व स्वास्थ्य केंद्र की जरूरत है।दूसरे केंद्र 8 से 10 किमी दूर है। गांव सभा ने स्वास्थ्य केंद्र को ध्वस्त करने व पंचायत भवन निर्माण का प्रस्ताव दिया, किंतु स्वास्थ्य केंद्र के पुनर्निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं दिया। तहसीलदार आलोक रंजन सिंह ने कहा गांव सभा के प्रस्ताव पर आबादी भूमि पर पंचायत भवन बन रहा है।

पीडीए के कार्यों पर मंडलायुक्त ने उठाए सवालः सड़कों के चौड़ीकरण में खामियों की भरमार, गुणवत्ता में कमी पर भी जताई नाराजगी

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ को देखते हुए सड़कों के चौड़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। शहर के अंदर सड़कों के चौड़ीकरण की जिम्मेदारी प्रयागराज विकास प्राधिकरण यानी पीडीए को दी गई है। पीडीए की तरफ से अब तक 12 सड़कों का कार्य पूरा किया जा चुका है। ऐसे में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने सड़कों के चौड़ीकरण और उनके सौदर्यीकरण के

विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। जहां निर्माण कार्यों में गड़बड़ी देखने को मिली। इस पर मंडलायुक्त ने पीडीए के मुख्य अभियंता को संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के कड़े निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने महाकुंभ को लेकर चल रहे निर्माण कार्य के निरीक्षण की शुरूआत आईईआरटी (तेलियरगंज) से अपट्रान चौराहे से की। इसके बाद उन्होंने गोविंदपुर से सलोरी, सादियाबाद रोड पर कराए जा रहे सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई जगह सिविल वर्क्स में गुणवत्ता में कमी पाई गई। कई जगह जीएसबी कॉम्पैक्शन, ईंटों की चुनाई तथा प्रयोग किये गये मिक्स्चर का अनुपात मानक के अनुरूप नहीं मिला। इनके पास में बनाए जा रहे नाले के आरसीसी वर्क एवं अलाइनमेंट में भी कमी पाई गई। जिस पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जाहिर की। इसके साथ ही रामप्रिया रोड से छोटा बघाड़ा से बख्शी बांध रोड पर कराए जा रहे कार्यों के निरीक्षण के दौरान वहां भी कार्यों की गुणवत्ता में कमी पाई गई। कई स्थानों पर बिटुमिन वर्क पर्ट चार्ट से पीछे चल रहा था तथा पैचिंग की आवश्यकता थी। दोनों ही सड़कों के कई स्थानों पर सीवर लाइन एवं वाटर लाइन टूटी पाई गई तथा पानी सड़क पर ओवर फ्लो हो रहा था। इसके कारण स्थानीय लोगों में भी आक्रोश देखने को मिला। मंडलायुक्त ने हाई कोर्ट रोड पर कराए जा रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। जहां पानी की टंकी की तरफ सड़क निर्माण कार्य धीमा पाया गया।

भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर शुरू हुआ महापर्व

प्रयागराज। लोक आस्था का महापर्व छठ मंगलवार को नहाए खाए के साथ शुरू हो गया। सूर्योदय से पहले ही संगम से लेकर रामघाट और बलुआघाट बारादरी से लेकर अरैल तक लोगों की भीड़ पहुंचने लगी थी। स्नान से पहले भगवान भास्कर का आहवान करते हुए लोगों ने अर्घ्य दिया। घाटों पर स्नान करने का सिलसिला सुबह दस बजे तक अनवरत चलता रहा। महिलाओं ने भगवान से अपने संतान की खुशहाली और परिजनों की सुख समृद्धि की कामना की तो घरों में भी सात्विक प्रसाद ग्रहण करने के लिए अरवा चावल, चना की दाल और कद्दू की सब्जी बनाया जाने लगा।

वायरल का वार, अस्पतालों में लगी मरीजों की कतार

प्रयागराज। दीपोत्सव की छुट्टियों के बाद अस्पतालों में मरीजों की कतार लगी रही। सबसे ज्यादा मरीज वायरल से पीड़ित रहे। एसआरएन अस्पताल में मेडिसिन विभाग में मरीजों की संख्या अधिक रही। सर्दी, जुकाम, बुखार, डायरिया और टायफाइड के मरीजों के कारण मेडिसिन वार्ड में बेड फुल रहे। सोमवार को अस्पताल की ओपीडी में 2640 मरीजों के पर्चे बनाए गए, इसमें सबसे ज्यादा पर्चे मेडिसिन विभाग, ईएनटी, त्वचा और आर्थो विभाग के रहे। मेडिसिन विभाग की ओपीडी में मरीजों को अपनी बारी आने तक काफी इंतजार करना पड़ा। ओपीडी के अलावा ट्रामा सेंटर में भी मरीजों की कतार लगी रही। वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. अजीत चौरसिया के अनुसार मौसम में बदलाव के कारण वायरल की समस्या अधिक है। लगातार छुट्टियों के कारण मरीजों की संख्या अधिक रही।

पंद्रह नवंबर से 45 दिवसीय रंगकर्म कार्यशाला

प्रयागराज। नाट्य संस्था समानांतर इलाहाबाद की ओर से 45 दिवसीय सघन रंगकर्म कार्यशाला का शुभारंभ 15 नवंबर से होने जा रहा है। संस्था ने अपनी स्थापना के 47वें वर्ष में होने वाली कार्यशाला में हिस्सा लेने के लिए बीस सीट निर्धारित की है। यह आयोजन बादल सरकार जन्म शताब्दी समारोह के अंतर्गत आयोजित किया जाएगा। इससे जुड़ने के लिए रंगकर्मी की उम्र 20 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। संस्था के निदेशक प्रख्यात रंगकर्मी अनिल रंजन भौमिक ने बताया कि युवा रंगकर्मियों के पास कार्यशाला के जरिए देश के कई बड़े कलाकारों से अभिनय की बारीकियों को समझने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

नाटक के माध्यम से नदियों में सफाई के प्रति किया जागरूक

प्रयागराज। एनसीसी की ओर से आजाद पार्क में नदियों के संरक्षण के लिए रैली निकाली गई। इसमें नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के छात्र भी शामिल रहे। जिन्होंने दो नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। इन नाटकों के माध्यम से कैडेट्स ने महत्वपूर्ण संदेश दिया कि कैसे सरस्वती अदृश्य हो गई। साथ ही गंगा और यमुना के प्रदूषण के कारणों पर प्रकाश डाला, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि हमारे स्वच्छ जल स्रोत कैसे संकट में हैं। कैडेट्स ने यह भी बताया कि इस प्रदूषण को रोकने के लिए हमें क्या कदम उठाने होंगे। उन्होंने स्थानीय निवासियों को सुझाव दिए कि वे प्लास्टिक का उपयोग कम करें, नदियों के किनारे सफाई अभियान में भाग लें और जल संरक्षण की महत्ता को समझें। इस अवसर पर 15 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर पीएस महापात्रा और जेसीओ राजेंद्र कुमार ने युवाओं के प्रयास की सराहना की।

'डॉ0 विजयानन्द को नीदर लैंड्स का वैश्विक साहित्य भूषण सम्मान'

प्रतिष्ठानपुर,प्रयागराज।हिंदी के सुपरिचित साहित्यकार डॉ०विजयानन्द को हिंदी यूनिवर्स फाउंडेशन,नीदरलैंड्स ने अपने सर्वोच्च हिंदी सेवी श्वैश्विक साहित्य भूषण सम्मान श से सम्मानित किया है। संस्था की अध्यक्ष प्रोफेसर पुष्पिता अवस्थी ने बताया कि वर्ष 2023 ई० का यह सम्मान उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री,भारत सरकार के तत्कालीन शिक्षा मंत्री एवं साहित्यकार डॉ०रमेश पोखरियाल शनिशंकश को दिया गया था। इस वर्ष का यह सम्मान डॉ०विजयानन्द की दीर्घकालीन वैश्विक हिंदी सेवा के लिए दिया जा रहा है। वैश्विक हिंदी महासभा, अखिल भारतीय हिंदी परिषद, भारत के लगभग सभी प्रांतों के पदाधिकारियों तथा प्रयागराज के बुद्धिजीवियों ने उन्हें इस सम्मान के लिए बधाई दी है।ज्ञात हो कि डॉ० विजयानन्द जी विभिन्न संस्थाओं में सचिव,महामंत्री,निदेशक– रिसर्च फाउंडेशन,सं.इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय,नई दिल्ली,का० अध्यक्ष – अखिल भारतीय साहित्य परिषद, प्रयागराज,अध्यक्ष –काशी प्रांत,राष्ट्रीय अध्यक्ष –विश्व हिंदी महासभा, नई दिल्ली जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं तथा हिन्दी साहित्य की लगभग सभी विधाओं में ५४ मौलिक, अनुदित,संपादित कुल ८४ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उन्होंने श वैश्विक साहित्य श त्रैमासिक का लगभग १० वर्षों तक लगातार संपादन किया है। अमेरिका के रामकाव्य पीयूष, कृष्णकाव्य पीयूष सहित, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया,जापान सिंगापुर , मारीशस , मलेशिया, फिजी आदि अनेक देशों के काव्य संग्रहों,पत्र–पत्रिकाओं में उनकी रचनाएं प्रकाशित होती रही हैं। भारत के कई विश्वविद्यालयों में उनके साहित्य पर एम०फिल, पीएचडी का शोध कार्य हो चुका चल रहा है।वे अमेरिकन रिसर्च इंस्टीट्यूट के दो बार सलाहकार रहे।भारत सरकार,उत्तर प्रदेश सरकार सहित, देश–विदेश की अनेक संस्थाओं द्वारा अयोध्या सिंह उपाध्याय श हरिऔध श पुरस्कार (मऊ,आजमगढ़), शकुंतला सिरोठिया बाल साहित्य पुरस्कार (इलाहाबाद), सूचना प्रसारण मंत्रालय,भारत सरकार का सम्मान,मोहन राकेश नाटक पुरस्कार ,बाल साहित्य सम्मान (उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ) ,भारतेंदु हरिश्चंद्र सम्मान (हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज), हिंदी अकादमी,मुंबई का शिक्षारत्न सम्मान, अखिल भारतीय साहित्य परिषद, अखिल भारतीय हिंदी महासभा, कर्नाटक , विश्व हिंदी महासभा, नईदिल्ली, राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान, विधानसभा, लखनऊ का पराग पुरस्कार, सयुक्तराष्ट्र विश्वविद्यालय, जापान, नेपाल सरकार आदि सहित कई दर्जन सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। सन् 2001 में अमेरिकन बायोग्राफिकल इंस्टीट्यूट ने इन्हें अपने रिसर्च बोर्ड का सलाहकार बनाया था।जिस पद पर रहकर इन्होंने कई वर्षों तक सराहनीय कार्य किया है। वर्तमान में वे वैश्विक हिंदी महासभा के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।

सीएमपी डिग्री कॉलेज हेल्पज समिति द्वारा कंबल वितरण किया गया

प्रयागराज ससीएमपी डिग्री कॉलेज हेल्पेज समिति के अंतर्गत संयोजक (केमिस्ट्री डिपार्टमेंट) प्रोफेसर अर्चना पांडे के माध्यम से अर्थशास्त्र विभाग के शिक्षक डॉक्टर दीप्ति समांतराय एवं विद्यार्थीगण के द्वारा दिनांक 5।11।2024 को मनकामेश्वर मंदिर

(सरस्वती घाट) स्थित गरीब छावनी अथवा सड़क पर जीवन यापन करने वाले वृद्धो को कंबल वितरण का कार्य संपन्न किया गया। इस कंबल वितरण समारोह का उद्देश्य इन गरीब छावनी में रहने वाले वृद्धो को आगामी ठंड के महीनो से बचने व उनके जीवन यापन का कार्य को सुलभ करना है जिससे कि वह अपने कार्य कुशलता के माध्यम से अपना जीवनयापन संभव कर सके सइस वितरण समारोह में अर्थशास्त्र विभाग के विद्यार्थी आशुतोष मिश्रा, दुर्गेश शुक्ला, मनोज यादव , हर्षित मिश्रा, सूरज पटेल, कौस्तुभ मिश्रा, शुभम कुशवाहा ,अवनी राय, प्रियंका कुमारी, आरती यादव , रामू प्रजापति उपस्थित थे।

यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड कानून को वैध करार देने के निर्णय का स्वागत : मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड कानून को वैध एवं संवैधानिक करार देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है। सुश्री मायावती ने मंगलवार को कहा "मा. सुप्रीम कोर्ट द्वारा आज एक अहम फैसले में यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड कानून–2004 को वैध व संवैधानिक करार दिए जाने के फैसले का स्वागत। इससे यूपी में मदरसा शिक्षा को लेकर उपजे विवाद व हजारों मदरसों की अनिश्चितता को अब निश्चय ही समाप्त होने की संभावना। इस पर सही से अमल जरूरी।" उन्होने कहा " मा. सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब खासकर यूपी के मदरसों को मान्यता मिलने और उनके सुचारू संचालन में स्थायित्व आने की संभावना है। अदालत ने कहा कि मदरसा एक्ट के प्रावधान संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हैं और ये धार्मिक अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकारों की सुरक्षा करते हैं।" बसपा अध्यक्ष ने कहा "साथ ही, सुप्रीम कोर्ट की 9–जजों की बेंच द्वारा हर निजी सम्पत्ति को संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत सामुदायिक सम्पत्ति का हिस्सा नहीं मानना व इसका अधिग्रहण करने से रोकने के फैसले का भी स्वागत। अब तक सरकार के पास आम भलाई हेतु सभी निजी सम्पत्तियों को अधिगृहित करने का अधिकार था।"

लखनऊ एयरपोर्ट पर राहुल गांधी की कार्यकर्ताओं से चलते-चलते मुलाकात, उमड़ी कांग्रेसियों की भीड़

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार सुबह दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान चलते–चलते उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इसके बाद एयरपोर्ट से ही सड़क मार्ग से रायबरेली के लिए रवाना हुए। रायबरेली पहुंचकर राहुल बचत भवन में दिशा की बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद राहुल का अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में तीसरा और यूपी का 5वां दौरा है। राहुल गांधी रायबरेली में पार्टी संगठन से जुड़ी कई अहम बैठकों में शामिल होंगे। साथ ही, वह स्थानीय मुद्दों और आगामी चुनावी रणनीतियों पर भी चर्चा करेंगे। कांग्रेस प्रवक्ता संजय सिंह का कहना है कि राहुल गांधी के दौरे से उत्तर प्रदेश कांग्रेस में नई ऊर्जा आएगी। चुनाव में पार्टी के कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ेगा। एयरपोर्ट पर राहुल गांधी को रिसीव करने आए कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा राहुल गांधी एक जागरूक और जिम्मेदार नेता है। वे रायबरेली संसदीय क्षेत्र में विकास कार्यों की स्थिति जानने के लिए दिशा की बैठक में हिस्सा लेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सं.: पी0आर0वाई0जे0-सिग-030-2024-25 दिनांक: 28.10.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूरसंचार/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं0: 030	अनुमानित मूल्य : ₹ 39525572.44
कार्य का विवरण: (ए) प्रयागराज मंडल के विन्ध्याचल से ब्लाक हट-के और चुनार से चोपन तक सहायक मण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/मिर्जापुर के पूरे अनुभाग का अनुभागीय सिगनलिंग रख रखाव, (बी) अचलराय से प्रेमपुर तक सहायक मण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/फतेहपुर के पूरे अनुभाग का अनुभागीय सिगनलिंग रख रखाव एवं (सी) सैयद सरॉवा से अचलराय एवं छिवकी से विन्ध्याचल तक सहायक मण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/पूर्व/प्रयागराज के पूरे अनुभाग का अनुभागीय सिगनलिंग रख रखाव का चौबीस माह (24) के लिए अनुबन्ध।	
बिड सिक्यूरिटी: ₹ 347600.00	निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ 0.00
कार्य समापन की अवधि: चौबीस माह	निविदा खुलने की तिथि: 02.12.2024

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा खुलने का समय, तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। 1916/24(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर प्रदेश में डीजीपी की नियुक्ति को लेकर बदला नियम, योगी कैबिनेट की मंजूरी भी मिली

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और मुख्य सचिव की नियुक्ति में यूपीएससी नियम का पालन नहीं करेगी। सोमवार को देर रात हुई कैबिनेट बैठक में, योगी आदित्यनाथ सरकार ने नियुक्ति नियमों में संशोधन किया और सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले पैनल द्वारा डीजीपी के स्वतंत्र और पारदर्शी चयन के लिए नियमों के एक नए सेट को मंजूरी दी। इसके साथ ही सरकार अब डीजीपी की नियुक्ति के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) पैनल को नाम नहीं भेजेगी। नए दिशानिर्देशों में कहा गया है कि नियुक्ति नियम, 2024 का उद्देश्य डीजीपी के पद पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त व्यक्ति के चयन के लिए एक स्वतंत्र और पारदर्शी तंत्र स्थापित करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उक्त चयन राजनीतिक या कार्यकारी हस्तक्षेप से मुक्त हो और उत्तर प्रदेश की विशिष्ट

परिस्थितियों और पुलिसिंग आवश्यकताओं के अनुरूप हो। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली चयन समिति में मुख्य सचिव, यूपीएससी द्वारा नामित एक व्यक्ति, यूपी लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या उनके नामित व्यक्ति, अतिरिक्त मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव गृह और एक सेवानिवृत्त डीजीपी शामिल होंगे। नए संशोधन के मुताबिक डीजीपी का न्यूनतम कार्यकाल दो साल का होगा। रिक्ति सृजन की तिथि पर उम्मीदवारों के पास छह महीने की सेवा शेष होनी चाहिए। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि केवल उन्हीं अधिकारियों पर विचार किया जाएगा जो वर्तमान में वेतन मैट्रिक्स के स्तर 16 पर महानिदेशक की भूमिका में हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस संशोधन के साथ यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार को दो साल के तय कार्यकाल के साथ पूर्णकालिक डीजीपी बनाया जा सकता है।

बंधन ग्रुप का टेक स्पेस में प्रवेश, जेनिसिस ग्रुप से किया अधिग्रहण

लखनऊ, एजेंसी। बंधन ग्रुप ने आज जेनिसिस ग्रुप, एक वैश्विक इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और बिजनेस प्रोसेस सर्विसेज कंपनी के अधिग्रहण की घोषणा की। यह बंधन ग्रुप के टेक्नोलॉजी सेक्टर में रणनीतिक प्रवेश का प्रतीक है। इस अधिग्रहण से बंधन ग्रुप को अमेरिका, ब्रिटेन और भारत में नए ऑफिसेज के साथ अपने ग्लोबल फुटप्रिंट का विस्तार करने की मौका मिला है। इस कदम से, इन बाजारों में कंपनी की मौजूदगी में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। जेनिसिस ग्रुप की ऑफर्स को इंटीग्रेट करके, बंधन ग्रुप अपने पोर्टफोलियो में दुनिया भर की विभिन्न इंडस्ट्रीज में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड सर्विसेज, डिजिटल मीडिया ऑपरेशंस और स्मार्ट बिजनेस प्रोसेस सॉल्यूशंस सहित सॉल्यूशंस का एक इंटीग्रेटेड पोर्टफोलियो जोड़ेगा। इस नए अधिग्रहण के बारे में बात करते हुए, बंधन फाइनेंशियल सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर अरविंद अग्रवाल ने कहा कि हाइपर–ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और अन्य उभरती टेक्नोलॉजीज के माध्यम से डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन द्वारा संचालित किए जा रहे ग्लोबल अवसर आईटी इंडस्ट्री को नया रूप दे रहे हैं। हमने जेनिसिस ग्रुप का अधिग्रहण करने का अवसर पहचाना, जो ग्लोबल मार्केट में अपने बैलेंस्ड पोर्टफोलियो और दशकों के अनुभव को लेकर आया है। बिजनेस से संबंधित चुनौतियों, विशेष रूप से बीएफएसआई सेक्टर में, को संबोधित करने के लिए आईटी–संचालित सॉल्यूशंस की क्षमता बहुत अधिक है, और हम इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण ग्रोथ की उम्मीद करते हैं। भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए, जेनिसिस ग्रुप के सीईओ सतीश सुब्रमण्यम ने कहा कि हम बंधन ग्रुप के साथ मिलकर काम करने को लेकर रोमांचित हैं। उनकी इंडस्ट्री को लेकर विशेषज्ञता और इनवेस्टमेंट स्किल्स हमें सिस्टेमेटिक तौर से और रणनीतिक अधिग्रहणों के माध्यम से आगे बढ़ने में मदद करने में महत्वपूर्ण होंगे। जेनिसिस अत्याधुनिक डिजिटल और क्लाउड टेक्नोलॉजीज के साथ–साथ एआई और मशीन लर्निंग–संचालित समाधान देने में अग्रणी रहेगा। हमारा दृष्टिकोण ग्राहकों को तेजी से और सटीकता के साथ अपने डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को आगे बढ़ाने के लिए डेटा और इनोवेशन की शक्ति का पूरी तरह से लाभ उठाने में सक्षम बनाता है। साथ मिलकर, हम अपनी क्षमताओं को मजबूत करने, अपनी ऑफर्स में विविधता लाने और अपनी ग्लोबल एक्सेस का विस्तार करने के लिए नए अवसरों की खोज करेंगे। यह हमारे ग्राहकों और जेनिसिस दोनों के लिए निरंतर सफलता सुनिश्चित करेगा, लॉन्गटर्म ग्रोथ और प्रभावशाली समाधानों को बढ़ावा देगा। जेनिसिस ग्रुप आईटी और एआई–संचालित सॉल्यूशंस प्रदान करने में सबसे आगे है, जो डिजिटल बदलाव को सुविधाजनक बनाने के लिए क्लाउड टेक्नोलॉजीज और ऑटोमेशन का उपयोग करता है। मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन और इनोवेशंस पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, कंपनी बिजनेसेज के प्रदर्शन में सुधार करने और डेटा से एक्शनबल इनसाइट्स अनलॉक करने में मदद करती है। इसके सर्विस पोर्टफोलियो में डिजिटल एप्लिकेशन लाइफसाइकिल मैनेजमेंट, क्लाउड नेटिव सॉल्यूशन, डेटा मैनेजमेंट, डिजिटल मीडिया ऑपरेशंस और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग शामिल हैं, जो विभिन्न इंडस्ट्रीज सेक्टर्स को पूरा करते हैं। इनोवेशन, जवाबदेही और पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरित, जेनिसिस का लक्ष्य भविष्य के लिए तैयार सॉल्यूशंस प्रदान करना और अपने ग्लोबल ग्राहकों के लिए वैल्यू बढ़ाने वाली स्थायी साझेदारी स्थापित करना है। बंधन फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड बंधन फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमिटेड और बंधन बैंक लिमिटेड का प्रमोटर है। बीएफएसएल को 03 अगस्त, 1995 को शामिल किया गया था, और इसे भारतीय रिजर्व बैंक के साथ निवेश गतिविधियों के बिजनेस में लगे एनबीएफसी–एनडीएसआई–सीआईसी के रूप में रजिस्टर्ड किया गया था। बंधन एएमसी और बंधन लाइफ बीएफएसएल की स्टेप–डाउन सहायक कंपनियां हैं।

'स्वस्थ समाज की स्थापना में डॉक्टरों का महत्वपूर्ण योगदान : मौलाना जहीर अहमद

हयात युनानी मेडिकल कॉलेज में 15 दिवसीय परिचय क्लासेस का शुभारंभ

लखनऊ, एजेंसी। स्वस्थ समाज की स्थापना में डॉक्टरों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। लोगों की सेहत की रक्षा और उसकी स्थायित्व की जिम्मेदारी डॉक्टरों के कंधों पर होती है। यह एक सच्चाई है कि जिस समाज में अच्छी और सकारात्मक सोच वाले डॉक्टर होते हैं और सेवा का जज्बा रखते हैं, वह समाज और समुदाय कभी बीमार नहीं होता है, बल्कि मजबूत होता है। यह बातें फाउंडेशन फॉर सोशल केयर के अध्यक्ष मौलाना जहीर अहमद सिद्दीकी ने हयात यूनानी मेडिकल कॉलेज, लखनऊ में बीयूएमएस पहले वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आयोजित पंद्रह दिनों के अभिवादन समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।एन सी आई एस एम के निर्देशों के अनुसार हयात यूनानी मेडिकल कॉलेज, लखनऊ में बी यू एम एस पहले वर्ष 2024 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से परिचित कराने के लिए पंद्रह दिनों के समारोह की शुरुआत हुई। इस समारोह में सभी विद्यार्थियों और उनके माता–पिता ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत अब्बास मुश्ताक की कुरआन की तिलावत और मोहम्मद आदिल की हमद से हुइ। बीयूएमएस पहले वर्ष की विद्यार्थी हुदा रशीद ने विभिन्न विभागों का परिचय दिया। इस मौके पर मौलाना जहीर अहमद सिद्दीकी ने कहा कि एक स्वस्थ समाज की स्थापना में डॉक्टरों का सबसे महत्वपूर्ण रोल होता है। लोगों की सेहत की रक्षा की जिम्मेदारी डॉक्टरों के कंधों पर होती है।उन्होंने कहा कि इसी लिए विद्यार्थियों को सारे कामों को छोड़कर अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए और समाज की सेवा का जज्बा रखना चाहिए। कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर मशहूदू रहमान ने ने नए छात्र छात्राओं एवं उनके साथ आए उनके उनके माता–पिता का स्वागत करते हुए कॉलेज का परिचय कराया और कहा कि छात्र और छात्राएं देश का भविष्य है अगर इन्हें सही दिशा में शिक्षा दी जाएगी तो यह कल आने वाले समय में समाज और देश के काम आएंगे इसलिए हम सबको उनकी बेहतरी के लिए सोचना चाहिए। इस अवसर पर डॉक्टर शमसिया खान एवं डॉक्टर दरखशा अनवर ने कॉलेज के सभी अध्यापक एवं प्रोफेसर का परिचय कराया, कॉलेज के एडमिन हेड जियाउर रहमान सिद्दीकी ने छात्र–छात्राओं को कॉलेज के नियम और उसूलों से अवगत कराया और उपेक्षा की कि वह कॉलेज की ओर से दिए गए तमाम दिशा निर्देशों का पालन करेंगे । डॉक्टर हिफजुर रहमान अध्यक्ष अदविया विभाग ने सभी का धन्यवाद प्रस्तुत किया इस अवसर पर फाऊंडेशन फॉर सोशल केयर के महासचिव तारीक अनवर खान, खजांची नसीम अख्तर , एवं कॉलेज के अध्यापक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

गाजियाबाद की घटना के विरोध में वकीलों का प्रदर्शन,जज को हटाने की मांग

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में वकीलों की हड़ताल जारी है। सेंट्रल बार एसोसिएशन लखनऊ के सदस्यों ने स्वास्थ्य भवन चौराहे पर मंगलवार को गाजियाबाद जनपद न्यायाधीश का पुतला फूंक कर विरोध जताया। लखनऊ बार एसोसिएशन और सेंट्रल बार एसोसिएशन की तरफ से गाजियाबाद में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पुलिस और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश प्रसाद तिवारी ने कहाद् कोर्ट रूम में निहत्थे वकीलों पर लाठीचार्ज किया गया। यह काफी दुखद है। इसका रोष प्रदेश भर के वकीलों में है। लखनऊ बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि गाजियाबाद बार एसोसिएशन के वकीलों से मिलने गए हैं। जज को हटाने की मांग की गई है। लखनऊ बार एसोसिएशन के मंत्री बृजभान सिंह भानु ने कहा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को वकीलों की तरफ से एक मांग पत्र सौंपा जाएगा। इसके साथ ही शासन और प्रशासन से इस विषय पर तुरंत निर्णय लेने की मांग की गई है। प्रदर्शन से पहले सेंट्रल बार एसोसिएशन सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें कई प्रस्ताव पास किए गए। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के जज की निगरानी में मामले की जांच करने की मांग की गई है। जांच पूरी होने तक गाजियाबाद कोर्ट से सारे न्यायिक काम पर रोक लगाने की अपील की गई है। वकीलों को न्याय मिले। इसके लिए न्यायिक मानक और उत्तरदायित्व विधेयक पारित करने और प्रदेश के सभी कोर्ट में सीसीटीवी और वॉयस रिकार्डर लगाने की भी मांग की गई।

टैक्स नहीं देने पर दुकानें सील,150 साल पुराने बाजार में चला अभियान

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में हाउस टैक्स नहीं जमा करने पर दुकानों को सील किया जा रहा है। निगम द्वारा यह कार्रवाई जोन के यहियागंज और जोन चार के गोमती नगर इलाके में की गई। सुबह 10 बजे से पहले दुकानों को सील कर दिया गया। यहियागंज में 150 साल पुराना बाजार है। अभियान तब चला जब बाजार में कोई नहीं था। दुकान मालिक को भी इस कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। नगर निगम ने इससे पहले सोमवार को भी यह कार्रवाई की थी। इसमें 13 जगहों पर यह कार्रवाई की गई थी। इस दौरान 4 लाख 50 हजार रुपए से ज्यादा की वसूली भी हुई थी। यहियागंज शहर का सबसे पुराना बाजार है। यहां दो दिन से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। दरअसल, बाजार खुलने के बाद यहां व्यापार मंडल की टीम नगर निगम का घेराव कर लेती है। ऐसे में टीम सुबह–सुबह पहुंच रही है। मुख्य कर अधिकारी अशोक सिंह ने बताया कि 3 हजार से ज्यादा बड़े बकाएदारों के यहां कुर्की करने की तैयारी है। इसके अलावा बाकी बकाएदारों के यहां नोटिस चस्पा और सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। मुख्य कर अधिकारी अशोक सिंह का कहना है कि शहर में मौजूदा समय में 3 लाख 20 हजार लोगों ने हाउस टैक्स जमा नहीं किया है। 50 फीसदी लोगों ने हाउस टैक्स जमा किया है। 6 लाख 40 हजार हाउस टैक्स जमा करने वाले लोग हैं। नगर निगम में अगर शतप्रतिशत हाउस टैक्स वसूली की जाए तो 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा का राजस्व आएगा। मुनाफा बढ़ाने के लिए नगर निगम लगातार अभियान तेज कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यूपी मदरसा एक्ट को वैध ठहराने का निर्णय स्वागत योग्य : एआईपीएफ

लखनऊ, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा यूपी मदरसा एक्ट को वैध ठहराने का निर्णय स्वागत योग्य है",यह बात आज आल इंडिया पीपुल्स फ्रन्ट की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने प्रेस को जारी बयान में कही है। एआईपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. आर. दारापुरी ने प्रेस को जारी बयान में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस एक्ट को धर्म निरपेक्षता का उलँघन करने वाला मान कर असंवैधानिक ठहराने के निर्णय को रद्द कर दिया है तथा इसे अल्पसंख्यकों के अपने शैक्षिक संस्थान चलाने और धार्मिक शिक्षा प्रदान करने के संवैधानिक अधिकार को बरकरार रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में केवल उच्च शिक्षा को मदरसा एक्ट के बाहर माना है। आल इंडिया पीपुल्स फ्रन्ट अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों का समर्थन करता है तथा वर्तमान सरकार से उनके अधिकारों का सुलभ उपभोग संभव कराने का अनुरोध करता है।

पुलिस लाइन से निकली यातायात जागरूकता रैली

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में पांच नवंबर को यातायात माह–2024 की शुरुआत पुलिस लाइन में यातायात जागरूकता रैली से की गई। जेसीपी लॉ एंड आर्डर अमित वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। जिसमें महिला सिपाही और यातायात सिपाहियों के साथ स्कूली बच्चे, एनसीसी कैडेट और ट्रैफिक वार्डन शामिल हुए। रैली रवाना होने से पहले जेसीपी अमित वर्मा ने कहा कि लोगों को यातायात नियम जानने के साथ उनको पालन करना और अपने परिचित से पालन कराना जरूरी है। क्योंकि एक दुर्घटना से पूरा परिवार बिखर जाता है। यातायात नियम का पालन करने से ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। हर साल की तरह इस बार भी यातायात माह में यातायात पुलिस के साथ थाना पुलिस को भी यातायात नियम तोड़ने वालों पर नजर रखेगी। साथ ही सीसीटीएनएस के कैमरों की मदद ली जाएगी। वहीं यातायात नियमों के प्रति जन जागरूकता के लिए स्कूलों, चौराहों, ऑफिस और सार्वजनिक स्थलों पर अभियान चलाए जाएंगे। शहर में रॉग साइड गाड़ी चलाने के साथ फर्राटा भरने पर यातायात पुलिस लखनऊ के प्रमुख मार्गों पर लगे स्पीड सेंसर और कैमरे की मदद से चालान करेगी। यह सैंसर कैमरे तय स्पीड से ज्यादा तेज चलने वाले वाहनों का ऑटोमेटिक चालान करेंगे। यह कैमरे लोहिया पथ, खुर्रम नगर–कुकरैल बाईपास, तेलीबाग, जनेश्वर मिश्र पार्क के पास, बंगला बाजार से कैंट रोड, अवध चौराहे से दुबग्गा, आंबेडकर पार्क, अहिमामऊ से सुल्तानपुर रोड, शहीद पथ, रिंग रोड लगे हुए हैं। शहर में यातायात नियम की जागरूकता के लिए जिले के प्रमुख स्कूलों में छात्र–छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही यातायात माह के दौरान सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी जगह–जगह आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान लोगों को शपथ दिलाकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही बस स्टेशनों, कार्यशालाओं में सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों की जानकारी दी जाएगी।

सम्पादकीय.....

नशे के खिलाफ जंग

निश्चित रूप से पंजाब नशे की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। जिसके खिलाफ व्यापक पैमाने पर योजनाबद्ध अभियान वक्त की जरूरत है। सरकारें लंबे समय से इसके विरुद्ध कार्रवाई की बात तो करती रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कम ही बदलाव नजर आया है। फिलहाल पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ जारी कार्रवाई नई प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जाहिर बात है सीमा पार से शुरू किए गए छद्म युद्ध की कीमत पंजाब चुका रहा है, जिसने लंबे समय से पंजाब को जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा भारी मात्रा में हेरोइन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। सतही तौर पर ये आंकड़े एक सराहनीय कार्रवाई को दर्शाते हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या की विकटता को देखते हुए ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। वक्त की जरूरत है कि लगातार भयावह होती स्थिति में पुलिस को इस खेल की बड़ी मछलियों को बेनकाब करके नशे के प्रवाह पर रोक लगानी चाहिए। इसके बाद बड़े नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक स्तर का अभियान चलाना चाहिए। जिससे समाज में यह संदेश जाए कि कोई कितना भी ताकतवर व्यक्ति क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। साथ ही यह भी कि समाज विरोधी कार्यों में लिप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे तत्वों को राजनीतिक संरक्षण देने वाली ताकतों को भी बेनकाब करने की जरूरत है। हाल के दिनों में पंजाब ने स्थानीय तस्करों के साथ–साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को लक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। जिसमें 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ–साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इन आपराधिक अभियानों की वित्तीय बुनियाद पर प्रहार करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। हालांकि, अभी पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रमुख तस्करों को बेनकाब करने और कानूनन दंडित करने की सख्त जरूरत है। संदेश जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार का खात्म करना बेहद आवश्यक है। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ सुनियोजित कार्रवाई जरूरी है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी–ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

आज का राशि फल

मेष :– भावुकता वश संबंधों में भावनात्मक शोषण की आशंका है। पूर्वाग्रह वश अपने निकटस्थ सम्बन्धों के बारे में गलत धारणा पालना ठीक नहीं। सम्बन्धों की मधुरता हेतु आपस में विास कायम करें।

बृषभ :– व्यावसायिक संबंध प्रगाड़ होंगे। परिश्रम से आर्थिक लाभ के योग हैं। अत्यधिक भावुकता से भावनात्मक शोषण की भी आशंका है। भौतिक जगत से प्रभावित मन भविष्य को लेकर चिन्तित होगा।

मिथुन :– किसी अचल सम्पत्ति क्रय हेतु प्रयत्न तीब्र। अपने भाग्य को कोसना छोड़ अपने समय का सकारात्मक दिशा में लगावें। मान–प्रतिष्ठा में बृद्धि तो होगी परन्तु इससे अभिमानी न बनें।

कर्क :– समाजिक मान–सम्मान व वर्चस्व में बृद्धि होगी। व्यावसायिक क्षेत्र के प्रतिभा में निखार आयेगा। आपके स्थितियों में आकस्मिक सुधार के आसार बन रहें। कल्पनाएं साकार होती नजर आएंगी।

सिंह :– नये कायरे में पूंजी निवेश हेतु धनाभाव अवरोधक होगा। आपमें दूसरों को आकर्षित करने की अभूतपूर्व क्षमता है इसका भरपूर लाभ मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी।

कन्या :– रोजगार के क्षेत्र में किये गये कर्म का फल सफलता का आगाज कर रहा है। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिन्तित होगा।

तुला :– प्रणय सम्बन्ध में केन्द्रित मन प्रियतम से मिलने के लिऐ ब्याकुल होगा। किसी खास मुद्दे को लेकर परिजनों के मतभेद का सामना करना पड़ेगा। प्रयासरत क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक :– अच्छे अवसरों का लाभ उठानें में सक्षम बनें। जीवन में नीरसता को कम करने के लिए मन को सकारात्मक दिशा देवें। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता से मन उत्साहित होगा।

धनु :– भावुकतावश किसी सम्बन्धी की बातें मन को कष्ट पहुचा सकती हैं। अपने अन्दर नए उर्जा की अनुभूति करेंगे। लेकिन बिगड़े हुए सम्बन्धों को सुधारने की चेष्ठा करें। कार्य क्षेत्र में नये आसारों से उत्साहित होंगे।

मकर :– उच्छृंखल व मजाकिया स्वभाव आस–पास के वातावरण में महत्ता तो बढ़ाएगा। रोजगार में अपनी स्थिति को लेकर मन में हीनता का वाश होगा। महत्वपूर्ण पारिवारिक दायित्वों के पूर्ति के आसार बनेंगे।

कुंभ :– परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन चिन्तित होगा। परिवारिक जिम्मेदारियां मन को बोझिल करेंगी। कोई अवरोधित काम के प्रति मन विशेष रूप से चिन्तित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में प्रयत्न सार्थक होगा।

मीनः– सरल व मिलनसार स्वभाव से संबंधों में लोकप्रिय होंगे। भौतिक सुख–साधनों की लालसा में व्यय के योग हैं। जीविका क्षेत्र में परिश्रम सार्थक होगा। भावना प्रधान मन जल्द ही दूसरों से प्रभावित हो जाता है।

मोदी की गलतबयानी

डॉ. दीपक पाचपोर

दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में यह भी पहली बार हो रहा है कि प्रधानमंत्री पिछले 10 वर्षों से लगातार गलतबयानी कर रहे हैं, फिर चाहे वह संसद हो या सार्वजनिक सभाएं, चुनावी घोषणापत्र हो या प्रचार रैलियां– नरेन्द्र मोदी इस मामले में अपने उदाहरण स्वयं ही हैं।

किसी भी देश के लिये इससे अधिक शर्मनाक बात और कोई हो नहीं सकती कि उसका नेतृत्व करने वाले व्यक्ति पर मिथ्याभाषी होने का आरोप लगे। उस व्यक्ति के लिये भी यह उतना ही शर्मनाक होगा कि उसे अपनी कोई बात इसलिये वापस लेनी पड़े क्योंकि वह गलत साबित हो जाती है– चाहे वह किसी भी स्वरूप में क्यों न हो! दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में यह भी पहली बार हो रहा है कि प्रधानमंत्री पिछले 10 वर्षों से लगातार गलतबयानी कर रहे हैं, फिर चाहे वह संसद हो या सार्वजनिक सभाएं, चुनावी घोषणापत्र हो या प्रचार रैलियां– नरेन्द्र मोदी इस मामले में अपने उदाहरण स्वयं ही हैं। वे शायद भूल रहे हैं कि एक राष्ट्राध्यक्ष केवल कार्यपालिका प्रमुख नहीं होता वरन वह देश के मूल्यों, आदर्शों एवं नैतिकता का भी संरक्षक होता है। इस मोर्चे पर श्री मोदी ने इसलिये भारत को निराश किया है क्योंकि इस महादेश ने जिन मूल्यों पर चलकर आजादी पाई, यानी सत्य और अहिंसा, वे दोनों ही मटियामेट कर दिये गए हैं। हिंसा के प्रश्रय के बारे में अनुकूल अवसर पर चर्चा की जा सकती है लेकिन फिलहाल यह प्रसंग इसलिये उठ खड़ा हुआ है क्योंकि नरेन्द्र मोदी के एक बड़े असत्य कथन से देश शर्मसार है। उनकी भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और कार्यकर्ता–समर्थक लज्जित हैं या नहीं– यह तो वे ही जानें। मामला है मोदी द्वारा अपने ही एक ट्वीट को डिलीट करना जो उन्होंने प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक भाषण को सन्दर्भ बनाकर पोस्ट किया था। हाल ही में खरगे ने सलाह दी थी कि सरकारों को वे ही वादे करने चाहिये जो वे पूरा कर सकें। हमले का अवसर मानकर अपने एक्स हैंडल पर तत्काल मोदी ने इस आशय का ट्वीट किया कि कांग्रेस की सरकारें झूठे वायदे करती है। उन्होंने कांग्रेस शासित राज्यों के हवाले से कहा कि कांग्रेस की गारंटियां झूठी हैं और इन राज्यों की हालत बहुत खराब है। यह ट्वीट कर मोदी ने मानो बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया। इसका प्रत्युत्तर कांग्रेस के नेताओं ने देकर मोदी को इतना मजबूर कर दिया कि उन्हें एक्स पर से वह ट्वीट हटाना पड़ा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मोदी पर तंज कसा कि वे फिर से चुनावी मोड में आ गये हैं। खेड़ा ने बताया कि कर्नाटक सरकार ने पांच की पांच गारंटियां लागू कर दी हैं जबकि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा किये गये 10 में से पांच वायदे पूरे हो चुके हैं। वहीं तेलंगाना सरकार अपना रिपोर्ट कार्ड स्वयं केन्द्र को भेज चुकी है। कांग्रेस नेता यहीं तक नहीं रूके। उन्होंने मोदी से पूछ लिया कि अब वे बतायें कि उनके द्वारा किये गये कितने वादे पूरे हुए हैं। खेड़ा ने व्यंग्य किया कि श्लगता है मोदी अपने ट्रोल्स के फॉलोअर बन गये हैं परन्तु वे (ट्रोल्स) भी इतने खराब पोस्ट नहीं करते कि उन्हें अपने ट्वीट्स हटाने पड़ें।श मोदी को मशरूम छोड़कर बादाम खाने की सलाह देते हुए खेड़ा ने कहा कि इससे उन्हें अपने वादे याद आ जायेंगे। उन्होंने मोदी को 100 स्मार्ट सिटी, नमामि गंगा, महिला सुरक्षा, रुपये व पेट्रोल–डीजल की कीमतों को लेकर किये गये वादों की याद भी दिलाई। कांग्रेस पर वादाखिलाफी का ट्वीट करने तथा उसे डिलीट करने को लेकर स्वयं खरगे ने मोदी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि श्झूठ, छल, जालसाजी, लूट और प्रचारश मोदी एवं उनकी सरकार को परिभाषित करते हैं। खरगे ने कहा कि 100 दिन के भीतर वादे पूरा करना मोदी का जुमला साबित हुआ है। इसके साथ ही कांग्रेसाध्यक्ष ने कहा कि इसी वर्ष की 16 मई को मोदी ने कहा था कि 2047 के लिये रोडमैप हेतु 20 लाख लोगों से इनपुट लिये गये थे। प्रधानमंत्री कार्यालय से जब सूचना के अधिकार के तहत इस बाबत जानकारी मांगी गई तो मोदी की वह बात भी झूठ साबित हुई है। श्री मोदी ने सत्ता में आने के लिये अनेक ऐसी मनगढ़ंत बातें गढ़ी, जिन्होंने उन्हें गद्दी तक पहुंचाया। अब वे उसे बचाये रखने तथा लम्बे समय तक शासन करने के लिये अनेकानेक तरह के असत्यों का सहारा लेते हैं। खुद की छवि गढ़ने के लिये कभी वे खुद को चाय बेचने वाले गरीब बालक के रूप में प्रस्तुत करते हैं, तो कभी वे अपने को बहादुर बतलाने के लिये गांव के उस तालाब में तैरकर मंदिर का झंडा बदलने की बात करते है जो उस समय मगरमच्छों से भरा था। सच तो यह है कि किसी ने न उन्हें चाय बेचते देखा और न ही उस कथित तालाब का कोई अता–पता है। उनका दूसरा बड़ा झूठ अपनी पार्टी के समर्थन में कहा जाता रहा है जिसमें वे बतलाते रहे हैं कि उनकी पार्टी के शासन में लोकतंत्र स्थापित हुआ है और देश खुशहाल हो गया है। जबकि सच्चाई इसके विपरीत है। वे कांग्रेस को भ्रष्ट तथा देश विरोधी संगठन साबित करने के लिये बहुतेरे झूठ बोलते हैं। इसके लिये वे किसी भी हद तक जाते हैं, फिर वे चाहे पहले प्रधानमंत्री तथा राष्ट्र निर्माता जवाहरलाल नेहरू हों अथवा कोई परवर्ती प्रधानमंत्री। अपनी सत्ता तथा अपने कारोबारी मित्रों को बचाने में वे जो झूठ बोलते हैं उससे देश के भीतर नफरत और हिंसा का माहौल बना है। कांग्रेस पर हमले के लिए किए पांच में से एक ट्वीट भले ही श्री मोदी ने डिलीट कर दिया हो. लेकिन लोकतंत्र और संविधान तभी बचेगा, जब राजनीति से अनैतिकता डिलीट यानी मिटाई जाए।

दो में से क्या तुम्हें चाहिए मोहब्बत, या खौफ और नफरत

राम पुनियानी

भारत के औपनिवेशिक विरोधी संघर्ष के दौरान कई तरह के सकारात्मक सामाजिक बदलाव आए. इनमें से एक था हिन्दू–मुस्लिम एकताश और सभी धर्मों के लोगों की भारतीय के रूप में एक समग्र पहचान का उदय. औपनिवेशिकता–विरोधी राष्ट्रवादी विचारधारा ने इसे प्रोत्साहित किया और इसके सर्वोत्तम प्रतीक थे महात्मा गांधी, जिन्होंने इसकी खातिर अपने खुले सीने पर तीन गोलियों का वार झेला. उन्होंने लिखा था, हमें केवल समझौता नहीं चाहिए, हमें चाहिए दिलों का मेल जो इस असंदिग्ध सोच पर आधारित हो कि भारत के हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच अटूट एकता के बिना स्वराज कभी न हासिल हो सकने वाला एक सपना बना रहेगा। हिन्दुओं और मुसलमानों में केवल युद्धविराम से काम चलने वाला नहीं है। दोनों के बीच शांति, परस्पर समय पर आधारित नहीं होनी चाहिए. यह एक बराबर लोगों के बीच भागीदारी होनी चाहिए, जिसमें दोनों एक दूसरे के धर्मों का सम्मान करें। इसके ठीक विपरीत, धर्म के मुखौटा पहने राष्ट्रवादी होने का दावा करने वाली शक्तियां न केवल उपनिवेश विरोधी संघर्ष में शामिल नहीं हुईं वरन् उन्होंने घृणा और विभाजन के बीज बोए और उन्हें खाद–पानी दिया. आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर ने लिखा, श्जर्मन नस्ल का गौरव आजकल चर्चा का विषय है। अपनी नस्ल की शुद्धता और संस्कृति कायम रखने के लिए जर्मनी ने दुनिया को चौंकाते हुए देश से यहूदियों का सफाया कर दिया। यहां अपनी नस्ल का आत्मगौरव की सर्वोच्च भावना प्रदर्शित की गई। जर्मनी ने हमें यह भी दिखाया कि कैसे मूलभूत मतभेदों वाली नस्लों और संस्कृतियों का मिलन लगभग असंभव होता है, यह हिंदुस्तान के लिए एक समझने वाली और इससे लाभान्वित होने वाली बात हैश (व्ही, ऑर अवर नेशनहुड डिफाइंड, भारत पब्लिकेशन, नागपुर, 1939)। इसी सोच के चलते आरएसएस ने भारत में मुसलमानों और ईसाईयों के विरूद्ध घृणा फैलाने का अभियान चलाया। यह अभियान कई दशकों तक अधिक जोर नहीं पकड़ सका लेकिन वर्तमान समय में यह आम सामाजिक सोच का अहम् हिस्सा बनकर उभरा है, जिसके नतीजे में मुस्लिम–विरोधी हिंसा, उन्हें डराने, उनकी लिंचिंग करने और कई अन्य तरीकों से उन्हें सताने और नुकसान पहुंचाने का अंतहीन सिलसिला जारी है। इसके चलते समाज में वे अलग–थलग होकर सीमित दायरों में सिमट गए हैं और उनके दूसरे दर्जे का नागरिक बन जाने के हालात उत्पन्न हो गए हैं. यह प्रक्रिया अभी भी जारी है और भाजपा–आरएसएस के कई नेता नए–नए तरीके खोज कर घृणा को और गहरा करने में जुटे हुए हैं। वे जुबान पर आसानी से चढ़ने वाले नारों का इस्तेमाल कर मुसलमानों का दानवीकरण कर रहे हैं। श्उन्हें उनके कपड़ों से पहचाना जा सकता है, श्मशान–कब्रिस्तान और विभिन्न प्रकार के जिहादों की बात– वोट जिहाद जिनमें सबसे ताजा है – आदि–आदि के एक लंबी सूची है। ऊपर से उसके दो शीर्षस्थ नेताओं ने वर्तमान दौर में इस प्रक्रिया को शिखर पर पहुंचा दिया है। इनमें से एक हैं– गिरिराज सिंह, जो नफरत फैलाने वाले गिरोह के प्रमुख नेताओं में से एक हैं. हाल में उन्होंने कहा, श्यदि एक मुस्लिमध्घुसपैठिया तुम्हें एक तमाचा मारे, तो सबको मिलकर उसे 100 तमाचे मारने चाहिए. ..घर में एक तलवार, एक भाला और एक त्रिशूल रखो, उसकी पूजा करो, और यदि कोई आए, तो उससे अपनी रक्षा के लिए इनका इस्तेमाल करो... प्रसंगवश हमें राष्ट्रपिता याद आते हैं, जिन्होंने कहा था कि यदि कोई तुम्हें एक गाल पर तमाचा मारे तो तुम दूसरा गाल सामने कर दो। मैत्री और प्रेम गांधीजी की भारतीय राष्ट्रवाद की विचारधारा के दो अहम भाग थे लेकिन हिंदू राष्ट्रवाद हिंसा और नफरत भड़काकर इसके ठीक विपरीत दिशा में काम कर रहा है। मैत्री में कमी और नफरत में बढ़ोतरी की यह प्रक्रिया साम्प्रदायिक राष्ट्रवाद की राजनीति के समानांतर चलती रही है, विशेषकर बाबरी मस्जिद के ढहाए जाने और उसके बाद चलाए गए कई विभाजक अभियानों के दौरान। केन्द्र में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से आरएसएस से जुड़े विभिन्न संगठनों और विभाजक राष्ट्रवाद के मैदानी कार्यकताओं को यह लगने लगा कि वे बिना किसी डर के मनमानी कर सकते हैं। लगभग इसी समय समाज को विभाजित करने वाले एक और नेता योगी आदित्यनाथ, जो बुलडोजर (अ)न्याय के प्रणेता हैं, ने भी बटेंगे तो कटेंगे का नारा बुलंद किया है जिसका अर्थ है कि यदि हिंदू बंटे तो उनका कत्लेआम कर दिया जाएगा। इस नारे के कई आयाम हैं और हिंदू राष्ट्रवाद के शीर्षस्थ संगठन ने इसे अनुमोदित कर दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शनिवार (26 अक्टूबर, 2024) को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विवादस्पद टिप्पणी –बटेंगे तो कटेंगे जिसके जरिए उन्होंने दावा किया कि यदि हिंदू बंटे तो मारे जाएंगे, का समर्थन कर दिया। आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि– हिंदुओं की एकता का आह्वान करने वाला यह नारा हमेशा से संघ का संकल्प रहा है। इसके कई पहलू हैं। पहला यह कि आरएसएस के रणनीतिकार यह मानते हैं कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के कमजोर प्रदर्शन की वजह यह थी कि दलित मतदाताओं का झुकाव इंडिया गठबंधन की ओर हो गया था जो सामाजिक न्याय की अवधारणा के पक्ष में दृढ़ता से खड़ा था और जिसने जाति आधारित जनगणना का समर्थन किया था। लेकिन यदि दलित और अन्य पिछड़े वर्ग इंडिया गठबंधन के साथ हो लेते हैं तो हिंदुओं का कत्लेआम किसके द्वारा किया जाएगा? इस नारे के अनुसार ऐसा मुसलमान करेंगे। लेकिन, इसके विपरीत पिछले 75 सालों से तो उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। संघ परिवार यहां 2024 में हुए जनांदोलन के बाद बांग्लादेश में हुई हिंदुओं की दुदर्शा का अप्रासंगिक मुद्दा भी उठा सकता है। पाकिस्तान तो हिंदुओं की दुर्दशा का ढोल पीटने के लिए हमेशा से एक सदाबहार उदाहरण रहा ही है। सभी भारतीयों का एक होना स्वतंत्रता आंदोलन का मुख्य बिंदु था। उपनिवेश विरोधी संघर्ष में भारतीयता हमारी एकता का प्रमुख आधार थी जो हमारे संविधान में भी प्रतिबिंबित होता है। 20वीं सदी के महानतम हिंदू, गांधी ने कभी हिंदुओं की एकता की बात नहीं कही।

'समीक्षा रचना सक्सेना की छन्द रचना'

प्रयागराज के साहित्याकाश की अनुपम तारिका रचना सक्सेना ने अपनी विभिन्न गद्य, पद्य, कहानियों, लघु कथाओं आदि विभिन्न विधाओ में रचित रचनाओं के द्वारा कुशल साहित्यकार के रूप में ख्याति अर्जित कर ली है। साहित्य की हर विधा में इनकी लेखनी अत्यंत सशक्त और अभिव्यक्ति में सक्षम है। मानवीय संवेदना और सामाजिक सरोकारों की गंभीरता को परख कर उसे अपनी काव्यधारा को तदनुसार रंग देने में रचना सक्सेना अत्यंत कुशल हैं। अनेक साहित्यिक संस्थाओं से जुड़कर भी यह इस क्षेत्र में बहुत उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। मुक्त छंद रचना में अभी तक इनकी तीन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं श्सृजन समीक्षा,श्छंद श्एवं शकिसकी रचनाश। इनकी यह नवीनतम चौथी रचना है जो मात्रिक छंदों पर आधारित है इसलिए इस काव्य संग्रह कोश छंदरचना श्का नाम दिया गया है। वस्तुतः छंद रचना का लेखन बहुत सरल नहीं होता क्योंकि इसमें अक्षरों की संख्या, मात्रा, गणना, गति और यति– गति से जुड़े नियमों का पालन किया जाता है और रचना पद्य विधा में होती है । छंद वर्ण या मात्राओं की संख्या निश्चित होती । छंद के मूल तत्व, स्वर ध्वनि और यति होते हैं। पुस्तक का अध्ययन करने के बाद मुझे इस बात का परम संतोष हुआ और वस्तुतः ये प्रशंसनीय है कि इसमें रचना सक्सेना ने छंद रचना की समस्त अनिवार्यताओं और विशेषताओं का पूर्णतः निर्वहन किया है। छंदो को मुख्यतः दो भागों में बांटा जा सकता है वर्णिक छंद और मात्रिक छंद । कवयित्री ने अपने रचना में 14 छंदों का चयन किया है जो निम्नवत है जयकरी, शक्ति, आनंद वर्धक, चंडिका, रुचिरा, गीतिका, ओर, रास, हरिप्रिया, पदावली, चौपाई, रोला, दोहा तथा कुंडलिया । विभिन्न शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत की गई रचना अलग–अलग मात्रिक छंदों पर आधारित है। उनकी विशेषता यह है की वर्ण्य विषय विभिन्न सामाजिक व मानवीय परिदृश्य पर आधारित है विषयों की विविधता अत्यंत रोचक और हृदय ग्राही है। विषयों के चयन में रचना सक्सेना ने विविध पौराणिक, भक्ति, मानवीय मूल्य, प्रणय, ग्रामीण अंचल, प्रदूषण, मानव अस्मिता, राजनीति, मौसम, विश्व बंधुत्व की भावना, भक्ति, गुरु वंदना, मौसम, त्योहार, परोपकार, राष्ट्र प्रेम आदि को अपनी लेखनी का रंग दिया है।

छंद रचना में सर्वप्रथम रचना गजानन विनायक की वंदना है और दूसरी रचना मां वीणा वादिनी की है। प्रायः साहित्य और संगीत से संबंधित कोई भी रचना आरंभ करते समय हम सर्वप्रथम मां वाणी की वंदना करते हैं किंतु लेखिका ने सर्वप्रथम गजानन की वंदना करके अपने पौराणिक ज्ञान का प्रमाण प्रस्तुत किया है जिसमें माता–पिता की प्रदक्षिणा सर्वप्रथम पूर्ण कर लेने के कारण उन्हें यह आशीर्वाद मिला था की किसी भी शुभ काम को प्रारंभ करने से पहले सबसे पहले उन्हीं की वंदना की जाएगी। इसके अतिरिक्त गणराज को छंदों का स्वामी भी कहा जाता है इस दृष्टि से भी गणपति की वंदनाको मां वाणी की वंदना से पहले प्राथमिकता दिए जाने का औचित्य सार्थक है। छंद रचना अधिकांशतः मात्रिक छंदों पर आधारित है जिन्हें पौराणिक छंदों के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया है। संपूर्ण छंद रचना में कुल 89 रचनाएं हैं और एक ही विषय पर कई कई रचनाएं भी हैं कोई भी विषय ऐसा नहीं है जिस पर मात्र एक ही रचना की गई हो इसका विशेष कारण यही है कि यदि भगवान राम पर पांच छंद रचनाएं की गई हैं तो प्रत्येक रचना में मात्राओं का अंतर है अर्थात यदि जयकरी छंद में है तो वह 15 मात्राकी है शक्ति छंद में है तो वह 18 मात्राओं की है, आनंद वर्धन छंद में है तो 19 मात्राओं में है। इसी प्रकार मां दुर्गा, राधा कृष्ण, मौसम, वर्षा ऋतु, बसंत, होली, राष्ट्र प्रेम, विश्व बंधुत्व, मानवीय मूल्य, राजनीति, त्योहार आदि अनेक ऐसे विषय है जिन पर कवयित्री ने एक ही विषय पर कई रचनाएं की है जो बड़े ही सरल, सुबोध भाषा में की हैं। कई कविताओं का विषय भले ही एक हो लेकिन हर कविता की भाषा उसके भाव प्रकटन की शैली अपने तरीके की अपने ढंग की अकेली है और मात्राओं में भी उसी प्रकार का अंतर है गंभीरता से देखने पर भी मात्रा में त्रुटि कहीं भी परिलक्षित नहीं होती स्पष्ट है की कवयित्री इस विधा में पारंगत है और तभी यह छंद रचना इतनी समृद्ध शैली में लिखी गई है। रचनाओं का अध्ययन करने से इस बात की वास्तविक जानकारी होती ष्है कि लेखिका अपने सामाजिक परिवेश और महत्वपूर्ण विषयों के प्रति अत्यंत जागरूक हैं जैसे, चलो चलें अब गांव..... यह रचना गांवों के प्रदूषणरहित वातावरण और गांव की जीवन शैली को शहरों से कम नहीं आंकती ।श चौत आगमन श्की रचना अंग्रेजी कैलेंडर का बहिष्कार करती है धर्म का उत्थान हो,, रचना, जो 26 मात्राओं की सम मांत्रिक रचना है वह सर्वे भवन्तु सुखिनः, के संदेश से ओत–प्रोत है श्नव युग अरुणा करती आरतीश रचना, नये भारत की कल्पना से मुग्ध देश की समृद्धि और विकास की सूचक है। दोहा में विविध मनोरंजनकारी विषय हैं जैसे,

लालच में मत आइए, कुर्सी का सब खेल।
गलत बटन जो दब गया, पाँच वर्ष तक जेल।।

विषम मात्राओ में लिखी गई 06 पंक्तियों की कुंडलियों का अलग ही सौंदर्य है । छंद रचना की सर्वप्रमुख विशेषता इसकी सरल, सुबोध और विषयानुकूल भाषा और प्रस्तुति की शैली है जो किसी भी रसिक का मन मोह तो सकती है मनोरंजन करने में भी सक्षम है । काव्य का सतरंगी इन्द्रधनुष इनकी श्छंदरचनाश का वैशिष्ट्य है। इतने अल्प समय में प्रसिद्धि के इतने उच्च शिखर पर पहुंच जाना वस्तुतः रचना सक्सेना के कठोर परिश्रम, लगन, साहित्य के प्रति समर्पण और कार्य निष्ठा का परिणाम है। प्रयागराज साहित्यकारों और कलाकारों की अमर भूमि है । साहित्य और कला के क्षेत्र में रचना सक्सेना जैसी विदुषी कवयित्रियों की रचनाओं से इसकी समृद्धि में वृद्धि होगी ऐसा कहने में मुझे गर्व हो रहा है। इनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अनन्त शुभ कामनाएं

प्रेमा राय (वरिष्ठ कवयित्री)
भूतपूर्व सहायक शिक्षा निदेशक
प्रयागराज उप्र

जहीर ने फ्लाइट में की सोनाक्षी संग मस्ती, अभिनेत्री को पति की 'प्रेम भाषा' ने किया परेशान

इसी साल शादी के बंधन में बंधी फिल्म जगत की दबंग अभिनेत्री सोनाक्षी सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर पति जहीर संग मजेदार पोस्ट शेयर करती रहती हैं। इस बीच अभिनेत्री ने एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके साथ पति जहीर मस्ती करते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया वीडियो फ्लाइट के अंदर का है, जिसमें सोनाक्षी और जहीर एक साथ बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो में सोनाक्षी चेहरे पर मास्क लगाकर सोती नजर आ रही हैं। वहीं, जहीर उनके चेहरे से मास्क हटाकर मस्ती करते नजर आ रहे हैं। मास्क हटाते ही सोनाक्षी हंस देती हैं और मजाकिया तौर पर जहीर को मारने का इशारा करती हैं। वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर सोनाक्षी सिन्हा ने कैप्शन में लिखा जब आप ऐसे आदमी से शादी करते हैं, जिसकी प्रेम भाषा आपको परेशान करना है। सोनाक्षी के वीडियो को उनके प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं और उसपर मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। इससे पहले सोनाक्षी ने इंटरनेट पर जहीर संग खूबसूरत तस्वीर शेयर कर प्रशंसकों को दीपावली की शुभकामनाएं दी थी। इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'हर घर में रोशनी, हर घर में खुशी, आप सब के लिए हमारी यही दुआ। तस्वीरों में सोनाक्षी पति जहीर के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। इस दौरान पति–पत्नी एक–दूसरे को देखकर हंसते नजर आ रहे हैं। इससे पहले सोनाक्षी ने पूकी के साथ तस्वीरें शेयर की थी। तस्वीरों को शेयर कर दबंग अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा 'पूकी का अंदाजा लगाइए'। अभिनेत्री ने मजेदार कैप्शन के साथ यह फैसला अपने फॉलोअर्स पर छोड़ दिया कि उनका पूकी कौन है, उनके पति जहीर इकबाल या उनका नया पालतू दोस्त। सोनाक्षी और जहीर ने 7 साल की डेटिंग के बाद 23 जून को मुंबई में शादी की थी। उनकी पहली मुलाकात बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान द्वारा आयोजित एक पार्टी में हुई थी। दोनों ने मुंबई में रिसेप्शन दिया था, जिसमें सलमान खान, संजय लीला भंसाली, काजोल, तब्बू, योयो हनी सिंह समेत फिल्म जगत के तमाम सितारों ने शिरकत की थी। जहीर भी एक अभिनेता हैं और उन्होंने 2019 में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। जहीर ने सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले निर्मित नोटबुक से शुरुआत की थी। इस बीच सोनाक्षी के वर्कफ्रंट की बात करें अभिनेत्री अपने पति के साथ आगामी प्रोजेक्ट तू है मेरी किरण में स्क्रीन साझा करने के लिए तैयार हैं। इससे पहले सोनाक्षी और जहीर फिल्म डबल एक्सएल में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म में इनके साथ हुमा कुरैशी भी अहम रोल में थीं।

> "सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया वीडियो फ्लाइट के अंदर का है, जिसमें सोनाक्षी और जहीर एक साथ बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो में सोनाक्षी चेहरे पर मास्क लगाकर सोती नजर आ रही हैं। वहीं, जहीर उनके चेहरे से मास्क हटाकर मस्ती करते नजर आ रहे हैं। मास्क हटाते ही सोनाक्षी हंस देती हैं और मजाकिया तौर पर जहीर को मारने का इशारा करती हैं।

शाहरुख खान से डीजे गणेश को मिला खास उपहार, लैपटॉप पर किंग खान ने दिया अपना ऑटोग्राफ

सुपरस्टार शाहरुख खान ने 2 नवंबर को अपना 59वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर फैंस सोशल मीडिया और उनके घर मन्नत पर जाकर उन्हें बधाइयां देते नजर आए। वहीं, इस मौके पर प्रमुख बॉलीवुड कार्यक्रमों में अपने प्रदर्शन के लिए जाने जाने वाले डीजे गणेश को सुपरस्टार से एक विशेष उपहार मिला। शाहरुख ने अपने जन्मदिन की पार्टी में डीजे बजाते हुए उनके लैपटॉप पर अपना ऑटोग्राफ दिया, जिसकी तस्वीर उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर की है। डीजे गणेश ने अपने लैपटॉप की एक सोशल मीडिया पर शेयर की जिसमें शाहरुख खान का हस्तलिखित नोट है। नोट में उन्होंने लिखा, 'टू, डीजे गणेश। हमेशा हमारा मनोरंजन करने के लिए धन्यवाद। प्यार। नोट के नीचे 2.11.2024 तारीख के साथ शाहरुख खान के हस्ताक्षर हैं। इस फोटो को शेयर कर खुशी जाहिर करते हुए गणेश ने लिखा, किंग शाहरुख खान की ओर से एक विशेष नोट। मैं पिछले कुछ वर्षों में सर एसआरके की पार्टियों का हिस्सा बनकर बहुत भाग्यशाली महसूस करता हूं। यह सबसे अच्छा दिवाली उपहार जैसा लगता है जो मैं मांग सकता हूं।' शाहरुख खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर जल्द ही सुजॉय घोष की फिल्म किंग में दिखाई देंगे। इसमें उनकी बेटी सुहाना खान और एक्टर अभिषेक बच्चन भी नजर आएंगे।

'सिंघम अगेन' में टाइगर श्रॉफ की दमदार एंट्री पर प्राउड बहन कृष्णा श्रॉफ ने खुशी जताई!

फिटनेस इन्फ्लुएंसर और एंटरप्रेन्योर कृष्णा श्रॉफ ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होंने थिएटर में अपने भाई टाइगर श्रॉफ को 'सिंघम अगेन' में देखने के दौरान भाई–बहन के गर्व भरे पल को कैद किया। क्लिप में उन्होंने उस जोशीले माहौल को कैद किया, जब टाइगर ने एसीपी सत्य बली के रूप में अपनी शार्प पुलिस यूनिफॉर्म में स्क्रीन पर एंट्री की, तो फैंस खुशी से झूम उठे।अपनी खुशी साझा करते हुए, कृष्णा ने लिखा, "नथिंग लाइक बीइंग बैक एट द मूवीज विद ऑल द फैंस फॉर ए जपहमतरंबापमौतवर्ाि एक्शन फिल्म!" उनकी पोस्ट ने न सिर्फ टाइगर की शक्तिशाली, एक्शन–पैक्ड रोल पर उनके गर्व का जश्न मनाया बल्कि एक पुलिस वाले के रूप में उनके किरदार के लिए दर्शकों की प्रत्याशा और प्रशंसा को भी प्रदर्शित किया। अपने भाई को सपोर्ट करने के अलावा, कृष्णा वर्तमान में अपनी डड। मैट्रिक्स जिम चौन का एक्सपेंशन करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिसमें मुंबई में सफल लॉन्च के बाद पुणे, पठानकोट, लखनऊ, सोलापुर और कोलकाता जैसे शहरों के लिए नई ब्रांच खोलने का प्लान है।

क्या मलाइका कर रही हैं नए सफर की शुरुआत? ब्रेकअप के बाद की पहली पोस्ट ने बढ़ाई कंफ्यूजन!

गॉसिप टाउन में हमेशा की तरह हलचल मची हुई है, और इस बार चर्चा का केंद्र बन गए हैं मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर। हाल ही में अर्जुन कपूर ने अपने और मलाइका के ब्रेकअप की पुष्टि की, जिससे फैंस का दिल टूट गया। दोनों लंबे समय से एक–दूसरे को डेट कर रहे थे, लेकिन अब उन्होंने अपनी राहें अलग करने का फैसला किया है। ब्रेकअप के बाद मलाइका अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक विशेष पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा, "NO" vember: A time to Start Saying 'छट' जव people, places and things that drain your Energy। इस पोस्ट के माध्यम से वह यह संदेश देना चाहती हैं कि अब वह उन सभी चीजों को नकारेंगी जो उनकी एनर्जी को खराब कर रही हैं। मलाइका का यह पोस्ट उनके फैंस के लिए कंफ्यूजन का कारण बन गया है। कई लोग इसे उनके और अर्जुन के बीच के संबंधों से जोड़कर देख रहे हैं। क्या वह अब अपने जीवन में किसी को भी नहीं चाहती? क्या वह अपने लिए एक नई शुरुआत करने का इरादा रखती हैं? ये सवाल फैंस के मन में उठ रहे हैं। मलाइका और अर्जुन के संबंधों की शुरुआत काफी अच्छी रही थी, खासकर उस समय जब मलाइका के पिता का निधन हुआ। उस कठिन घड़ी में अर्जुन ने मलाइका का पूरा साथ दिया, और लोग सोचने लगे कि उनके बीच सब कुछ ठीक हो गया है। लेकिन, इसके बाद की घटनाओं ने यह साबित कर दिया कि ऐसा नहीं था। अर्जुन कपूर ने एक दिवाली पार्टी में स्पष्ट किया कि वह अब सिंगल हैं। जब उनसे मलाइका के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वह किसी रिलेशन में नहीं हैं। इस खबर ने उनके फैंस को और भी निराश कर दिया, जो दोनों के फिर से एक होने की उम्मीद लगाए बैठे थे।

पहले मुंडवाया सिर और अब नकली बालों का भी हिना खान ने करवाया हेयरकट, बोलीं- विग है तो क्या...

पॉपुलर एक्ट्रेस हिना खान इस समय ब्रेस्ट कैंसर से जंग लड़ रही हैं। एक्ट्रेस ने कीमोथेरेपी से पहले खुद ही अपने बालों की कुर्बानी दे दी थी ताकि बाद में उनकी हिम्मत न टूटे। उन्होंने बाल झड़ने से पहले ही उन्हें कटवाकर अपनी विग तैयार करवा सकें। हिना खान की ये समझदारी उनके काफी काम आई। अब वो अपनी विग की बदौलत काम और फोटोशूट कर पा रही हैं।इसी बीच हिना का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह अपनी विग का हेयरकट करवा रही हैं। वीडियो में हिना खान ब्लैक कलर का गाउन पहने चेयर पर बैठे नजर आ रही हैं। वहीं उनके हेयरस्टाइलिस्ट विग पर हेयर कट करते हुए नजर आ रहे हैं। वैसे हिना की विग बिल्कुल असली बालों की तरह ही लग रही है और उनके हेयर स्टाइलिस्ट इस विग को हिना के कहने पर लेयर्स दे रहे हैं। इस दौरान हिना ने जमकर अपने हेयर स्टाइलिस्ट को शुक्रिया कहा है और उन पर खूब प्यार लुटाया है। हिना ने साथ ही लोगों को बताया कि वो कुछ नया ट्राई कर रही हैं और सबको ये करना चाहिए। इस दौरान हिना ने कुछ ऐसा कह दिया जो फैंस को भी इमोशनल कर सकता है। हिना बोलीं–तो क्या हुआ एक्सटेंशन्स है, विग है, शो चलता रहना और हम फैशनेबल रहेंगे। इसके बाद हिना को अपना लुक इतना पसंद आया कि एक्ट्रेस के चेहरे पर बड़ी सी स्माइल आ गई और उन्होंने प्यार से अपने हेयर स्टाइलिस्ट को हग भी किया। उन्होंने कहा– 'कोई बात नहीं है, अपने भी आ जाएंगे और अपने बालों में भी लेयर्स करेंगे। हिना ने इस वीडियो के साथ–'विग है तो क्या हुआ? हम एक अच्छे हेयर डे को बर्बाद नहीं कर रहे हैं। शुक्रिया Dwyessh Parasanani एक प्यारे और अद्भुत व्यक्ति होने के लिए। आप मेरे बालों को छूने से ज्यादा मेरे दिल को छूते हो। साथ ही Heena Lad Joshi मेरे बालों और जीवन को हमेशा उज्जवल बनाती हैं। मेरे निरंतर। दुआ।

त्योहारों में बार-बार हेयर्स को स्टाइलिंग करके खराब हो गई दशा, तो इन टिप्स को फॉलो करें

त्योहारों के दौरान हर किसी के लिए खुशी और जश्न का समय होता है, लेकिन इसके साथ ही आपके बालों पर भी काफी असर पड़ता है। इस दौरान पार्टियों और उत्सवों में हिस्सा लेने के लिए आप स्टाइलिंग उत्पादों इस्तेमाल करने से हेयर्स डैमेज हो जाते हैं। वहीं, दूसरी ओर बढते प्रदूषण और वेदर चेंजिंग के चलते बालों पर प्रभाव पड़ता है। इस कारण से बालों की चमक गायब हो जाती है। बालों में शाइन लाने के लिए इन टिप्स को फॉलो करें।

हाइड्रेटिंग हेयर रिंस

बालों के देखभाल के लिए आप सबसे पहले हाइड्रेटिंग हेयर रिंस से करें। बालों को धोने के बाद, घर पर ही हेयर रिंस का ट्रीटमेंट लें। इसके लिए आप पानी और एप्पल साइडर विनेगर का मिश्रण तैयार करें और बालों में उनका प्रयोग करें। इसके यूज से आपके बालों के प्राकृतिक चभ संतुलन करता है। इसके साथ ही बालों में ताजगी और चमकदार दिखाई देते हैं।

नेचुरल हेयर मास्क

हफ्ते में बालों के लिए प्राकृतिक सामग्री से बना हेयर मास्क लगाएं। यह मास्क आपको बालों को नमी और पोषण प्रदान करेगा। इसके लिए आप केले, शहद और नारियल के तेल से बने हुए प्राकृतिक हाइड्रेटर्स का प्रयोग कर सकते है। इससे आपके बाल शाफ्ट और स्वस्थ व मजबूत बनेंगे।

बालों में केमिकल का प्रयोग न करे

फेस्टिव सीजन में बालों में कलरिंग और स्ट्रेटनिंग–पर्म करने जैसे केमिकल ट्रीटमेंट उपचारों से आपके बालों को काफी नुकसान पहुंच सकता है। इस दौरान आप केमिकल प्रक्रियाओं को कुछ समय के लिए बंद कर दें। ऐसा करने से आपके बाल प्राकृतिक रुप से ठीक हो जाएंगे।

स्कैल्प को पोषण दें

अपने स्कैल्प को स्वस्थ रखने के लिए उसे पोषण दें। आप टी ट्री ऑयल या एलोवेरा जैसे नेचुरल तत्वों वाले स्कैल्प सीरम या तेल का उपयोग करें। ये न केवल आपके स्ध्कैल्प्प में हो रही जलन और खुजली की समस्ध्या को कम करेंगे बल्कि बालों की वृद्धि के लिए भी एक स्वस्थ वातावरण बनाएंगे।

धूप से बचें

सूरज की हानिकारक किरणों से बचने के लिए बालों की सुरक्षा करना काफी जरुरी है। यदि आप घर से बाहर होते हैं तो यूवी प्रोटेक्शन वाले हेयर प्रोडक्ट्स का उपयोग करें या सिर पर कैप पहनें। इसकी मदद से आपके बालों के रंग भी सुरक्षित रहेगा और रुखापन भी बालों को बचाएगा।

शैंपू करना सीमित करें

अपने बालों की प्राकृतिक नमी बनाने के लिए आप कम से कम हफ्ते में 2 बार ही करें। अधिक शैंपू करने से बालों में मौजूद प्राकृतिक तेल निकल जाता है, जिससे वे रुखे और बेजान हो जाते हैं। सप्ताह में 2–3 बार ही बाल धोएं और इसके लिए हल्के शैंपू का प्रयोग करें। जो आपके बालों को सुरक्षित रखें।

नाश्ते में क्या है बेहतर, मीठा और नमकीन किसका है ज्यादा फायदा?

नाश्ता हर इंसान के लिए एक जरूरी भोजन है, जो दिन की शुरुआत में ऊर्जा और पोषण प्रदान करता है। एक अच्छा नाश्ता न केवल शरीर को ऊर्जा देता है, बल्कि मूड को भी सेट करता है। सुबह के समय शरीर को आवश्यक पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, और नाश्ता इस जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस लेख में हम जानेंगे कि नाश्ते में मीठा या नमकीन खाना क्या अधिक फायदेमंद है।

मीठे नाश्ते के फायदे और नुकसान

मीठे नाश्ते में आमतौर पर चीनी से बनी चीजें होती हैं, जैसे अनाज, शहद, पैनकेक, फल और मिठाई। मीठा खाना शरीर को तात्कालिक ऊर्जा प्रदान करता है, क्योंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट की अधिकता होती है। जब हम मीठा खाते हैं, तो ग्लूकोज हमारे रक्त में जल्दी अवशोषित हो जाता है, जिससे तुरंत ऊर्जा मिलती है।

हालांकि, मीठे नाश्ते के कुछ नुकसान भी हैं। सुबह–सुबह मीठा खाने से शरीर में ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है, जिससे थकान महसूस हो सकती है। इसके अलावा, मीठे नाश्ते से मोटापा और टाइप–2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ सकता है। अक्सर मीठे नाश्ते में प्रोसेस्ड चीनी का इस्तेमाल होता है, जिसमें विटामिन और मिनरल्स की कमी होती है।

नमकीन नाश्ते के फायदे

नमकीन नाश्ते में प्रोटीन, फाइबर और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट की अधिकता होती है, जैसे पोहा, उपमा, इडली, चिल्ला और अंडा सैंडविच। नमकीन नाश्ता धीरे–धीरे डाइजेस्ट होता है और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करता है।

नमकीन नाश्ते के लाभ

ब्लड शुगर कंट्रोल

नमकीन नाश्ते में कॉम्प्लेक्स कार्ब्स और प्रोटीन होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को स्थिर रखते हैं और अचानक स्पाइक्स से बचाते हैं। ये खाद्य पदार्थ धीरे–धीरे पचते हैं, जिससे शरीर में ऊर्जा का स्तर लगातार बना रहता है और आपको थकान या चिड़चिड़ापन महसूस नहीं होता। नियमित रूप से नमकीन नाश्ते का सेवन करने से इंसुलिन के स्तर में सुधार हो सकता है, जो मधुमेह के मरीजों के लिए फायदेमंद है।

भूख कंट्रोल

नमकीन खाने से फाइबर और प्रोटीन की मात्रा बढ़ती है, जो पेट को भरा हुआ रखने में मदद करती है और लंच तक आपको संतुष्ट रखती है। यह आपको अनावश्यक स्नैक्स खाने से भी रोकता है, जिससे कुल कैलोरी का सेवन कम होता है। फाइबर युक्त भोजन पाचन को भी सुगम बनाता है, जिससे आप लंबे समय तक तृप्ति का अनुभव करते हैं और वजन बढ़ने का खतरा कम होता है।

वजन घटाने में मदद

नमकीन नाश्ते में फाइबर और प्रोटीन की अधिकता होती है, जो मेटाबॉलिज्म को सक्रिय रखता है और भूख को नियंत्रित करता है, जिससे वजन नियंत्रण में मदद मिलती है। प्रोटीन आपके शरीर को मांसपेशियों का निर्माण करने में मदद करता है, जिससे कैलोरी जलाने की दर बढ़ जाती है। इसके अलावा, फाइबर आपकी आंतों को स्वस्थ रखने में मदद करता है, जो वजन कम करने की प्रक्रिया को और आसान बनाता है। नियमित रूप से नमकीन नाश्ता करने से वजन कम करने में सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और यह एक संतुलित आहार का हिस्सा बन सकता है। इसलिए, नाश्ते में मीठा या नमकीन खाना आपकी सेहत पर प्रभाव डाल सकता है। यदि आप स्वस्थ और संतुलित रहना चाहते हैं, तो नमकीन नाश्ता एक बेहतर विकल्प हो सकता है। एक अच्छे नाश्ते के लिए अपने खान–पान में विविधता लाना और सही सामग्री का चुनाव करना आवश्यक है। आपकी सेहत के लिए सबसे अच्छा विकल्प चुनें और एक स्वस्थ जीवनशैली की ओर कदम बढ़ाएं!

रोज नाश्ते में दूध के साथ खाएं ये 1 लड्डू, पूरी सर्दी नहीं होगा शरीर और घुटनों में दर्द

सर्दियों में शरीर को गर्म रखना और जोड़ों के दर्द से राहत पाना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए दादी–नानी के जमाने से चली आ रही एक खास रेसिपी हैकृमेथी सौंठ के लड्डू। ये लड्डू न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होते हैं। आइए जानते हैं इन लड्डुओं को बनाने की सरल विधि और उनके फायदों के बारे में।

मेथी सौंठ के लड्डू बनाने की सामग्री

3/4 कप मेथी दाना (इसे दूध में भिगो दें)
500 ग्राम गुड़
1 कप बेसन
1 कप गेहूं का आटा
1 कप देसी घी
1/2 कप गोंद
2 टीस्पून सौंठ
1/2 कप काजू
1/2 कप अखरोट
1/2 कप बादाम
6–7 हरी इलायची (पिसी हुई)

बनाने की विधि

मेथी को अच्छे से धोकर 2 कप दूध में भिगो दें। आप चाहें तो इसे पीसकर भी भिगो सकते हैं। एक कड़ाही में घी डालकर उसमें बादाम, काजू और अखरोट को हल्का सा भून लें। इसके बाद गोंद डालकर धीमी आंच पर भूनें, ताकि यह चिपचिपा न लगे। अब बचे हुए घी में पिसी हुई मेथी डालकर भूनें। मेथी भुनने पर जब घी छोड़ने लगे, तब उसमें सौंठ पाउडर डालकर थोड़ा और भूनें। इसी कड़ाही में बेसन और गेहूं का आटा डालकर अच्छी तरह भून लें। जब आटा सुनहरा हो जाए, तब उसे निकाल लें। कड़ाही में एक स्पून घी डालें और उसमें गुड़ को पिघलाने के लिए एक स्पून पानी डालकर पिघलने तक इंतजार करें। गुड़ पिघलने के बाद गैस बंद कर दें और उसमें सभी भुने हुए मेवे और क्रश किया हुआ गोंद डालकर अच्छी तरह मिलाएं। हल्का ठंडा होने पर हाथों से सारी सामग्री को अच्छी तरह मिक्स कर लीजिए और फिर इससे लड्डू बना लें।

लड्डू के फायदे

ये मेथी और सौंठ के लड्डू शरीर को गर्म रखते हैं और जोड़ों के दर्द से राहत प्रदान करते हैं। सर्दियों में रोज सुबह एक लड्डू दूध के साथ खाने से आपको ऊर्जा मिलती है और आपके शरीर का दर्द कम होता है। इन लड्डुओं को सर्दी के मौसम में नियमित रूप से खाने से न केवल आपकी सेहत में सुधार होगा, बल्कि आप पूरे दिन ऊर्जावान भी रहेंगे। तो, अब से नाश्ते में शामिल करें ये हेल्दी लड्डू और सर्दियों का भरपूर आनंद लें!

छठ पूजा के लिए दो तरह से बनाएं ठेकुआ, जानें प्रसाद बनाने की विधि

आज से छठ महापर्व की शुरुआत हो चुकी है। इस दिन महिलाएं 36 तक निर्जला व्रत रखती हैं और सूर्य को अर्घ्य देती है। छठ पूजा का पर्व 4 दिन मनाया जाता है। इस पूजा में तरह–तरह का प्रसाद तैयार किया जाता है। छठ के प्रसाद में ठेकुआ भी शामिल है। आइए जानते हैं 2 अलग तरह से ठेकुआ बनाने की विधि।

चीनी के ठेकुआ बनाएं

सामग्री

– एक कप सूजी
– एक कप मैदा
– एक कप थोड़ी चीनी पाउडर
– दो बड़े चम्मच कद्दूकस किया सुखा नारियल
– एक कप दूध
– एक छोटा चम्मच सौंफ पाउडर
– 1 कप घी
– आधा छोटा चम्मच इलायची पाउडर

कैसे बनाएं चीनी के ठेकुआ

इसे बनाने के लिए आप किसी बड़े बर्तन में सूजी, मैदा, पाउडर चीनी, इलायची पाउडर, सौंफ पाउडर, नारियल और घी डालें इसके बाद सभी चीजों को अच्छे से मिक्स कर दें। इसमें थोड़ा–थोड़ा दूध डालते हुए सख्त आटा लगाएं। फिर इसे हथेली से मसलते हुए आटे को अच्छे से बाइंड करें। इसके लिए आपको एकदम सख्त और हल्का सूखा आटा गूंथ कर तैयार करना है। आटा तैयार हो जाए तो फिर थोड़ा सा आटा निकालें इसको हथेली से गोल या लंबे जैसा चाहें उस आकार में मसलें। इस लोई को सांचे पर रखकर हाथों से दबाव बनाते हुए डिजाइन तैयार कर लें। अगर आपके पास सांचा नहीं है तो फोर्क या टूथपिक की मदद से भी ठेकुआ को डिजाइन दे सकते हैं। जब ठेकुआ तैयार हो जाएं और फिर तलने के लिए घी गर्म करें। फिर मीडियम आंच पर ठेकुए को ब्राउन होने तक तलें और आपके ठेकुआ तैयार हैं।

गुड़ खसखस वाला ठेकुआ बनाने के लिए सामग्री

– दो कप साबुत गेहूं का आटा
– दो बड़े चम्मच खसखस
– दो बड़े चम्मच घी
– तीन बड़े चम्मच सूखा नारियल
– एक कप गुड़ या फिर पाउडर
– एक चम्मच इलायची पाउडर
– आधा बड़ा चम्मच सौंफ के बीज
– थोड़ा पानी

इसे कैसे बनाएं

सबसे पहले आप आधा कप पानी और गुड़ पाउडर को मिला लें। इसे आप 5 मिनट के लिए रख दें। अगर गुड़ का पाउडर न हो तो पानी को गर्म करें और फिर इसमें गुड़ डालकर पिघला दें। फिर एक बाउल में सारी सूखी चीजें डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद घी डालकर एक बार फिर अच्छे से मिला लें। अब गुड़ की चाश्नी को छान लें और फिर गेहूं के आटे में डालें और पानी डालकर अच्छे से गूंध लें। अब आप ठेकुआ के लिए सख्त सूखा आटा लगाएं। मीडियम धीमी आंच पर कढ़ाई में घी गर्म करें। घी गर्म होने तक आप सांचा की मदद से ठेकुआ को डिजाइन दें। अब ठेकुआ को अच्छे सुनहरा भूरा रंग होने तक अलट–पलट कर तलें। फिर छान लें और पेपर टॉवल पर निकालकर कुछ देर के लिए रखें।

संक्षिप्त

सेबी ने रिलायंस होम फिन हेराफेरी मामले में पांच इकाइयों को 130 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा

नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से कोष की अवैध हेराफेरी के मामले में नेटिजन इंजीनियरिंग और सिटी सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज सहित पांच पक्षों को 130 करोड़ रुपये का भुगतान करने को कहा है। पूंजी बाजार नियामक ने इन पक्षों को चेतावनी दी है कि अगर वे 15 दिन के भीतर भुगतान करने में विफल रहती हैं तो उनकी संपत्ति और बैंक खाते कुर्क कर लिए जाएंगे। यह नोटिस नेटिजन इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, गेमसा इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, विनायक वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, दीप इंडस्ट्रियल फाइनेंस लिमिटेड और सिटी सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को भेजा गया है। सेबी ने अगस्त में इन इकाइयों पर जुर्माना लगाया था, जिनका भुगतान करने में ये विफल रही थीं। इसके बाद यह नोटिस भेजा गया है। बाजार नियामक ने पांच अलग नोटिस में निर्देश दिया है कि इन पांचों इकाइयों को 15 दिन के भीतर 26–26 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। इस राशि में ब्याज और वसूली की लागत भी शामिल है। यदि ये इकाइयां इस राशि का भुगतान करने में विफल रहती हैं, तो बाजार नियामक उनकी चल एवं अचल सपंत्तियों को कुर्क कर और उन्हें बेचकर इसकी वसूली करेगा। इसके अलावा उनके बैंक खातों पर भी रोक लगाई जाएगी।

छठ पूजा के मौके पर बैंक रहेंगे बंद या खुलेंगे

भारत में कार्तिक मास की चतुर्थी तिथि से छठ पूजा का त्योहार शुरू हो गया है। तीन दिन के छठ व्रत को कठिन व्रतों में माना जाता है। ये बड़े ही धूमधाम से मनाया जाने वाला त्योहार है। इस त्योहार में पूजा के दौरान कई ऐसी चीजों का उपयोग होता है जो बेहद खास भी होती है। इस त्योहार को मनाने के लिए कई श्रद्धालु एक साथ जुटते है। बता दें कि पांच नवंबर से शुरू हुई छठ पूजा को देखते हुए कुछ राज्यों में बैंक लगातार चार दिन बंद रहेंगे। इसके बाद वीकेंड होगा, जिसमें दूसरा शनिवार और रविवार शामिल है। इस बार नवंबर के महीने में बैंक करीब 13 दिन बंद रहेंगे। इन दिनों बैंक की भौतिक शाखाएँ बंद रहेंगी, लेकिन ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच प्राप्त होगी। मोबाइल बैंकिंग, ऑनलाइन बैंकिंग, एटीएम और अन्य डिजिटल सुविधाएँ चालू रहेंगी और इन सेवाओं में किसी भी तरह की बाधा के बारे में ग्राहकों को पहले ही सूचित कर दिया जाएगा। भारतीय रिज़र्व बैंक अवकाशों की वार्षिक सूची प्रकाशित करता है, जिसमें सप्ताहांत (दूसरा और चौथा शनिवार), सभी रविवार, राष्ट्रीय अवकाश और क्षेत्र–विशिष्ट त्योहार की छुट्टियाँ शामिल हैं। ये त्योहार की तिथियाँ स्थानीय रीति–रिवाजों और समारोहों पर आधारित होती हैं।

छठ पूजा 2024 की छुट्टियाँ

7 नवंबर (गुरुवार)रू छठ पूजा के शाम के अर्घ्य के लिए बिहार, दिल्ली, झारखंड और पश्चिम बंगाल में बैंक बंद रहेंगे।

8 नवंबर (शुक्रवार): छठ पूजा के सुबह के अर्घ्य/वांगला महोत्सव के लिए बिहार, झारखंड और मेघालय में बैंक बंद रहेंगे।

9 नवंबर (शनिवार): महीने के दूसरे शनिवार के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे। (बैंक हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं।)

10 नवंबर (रविवार): रविवार की छुट्टी होने के कारण बैंक बंद रहेंगे।

15 नवंबर (शुक्रवार): मिजोरम, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, चंडीगढ़, उत्तराखंड, तेलंगाना, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, जम्मू, उत्तर प्रदेश, नागालैंड, पश्चिम बंगाल, नई दिल्ली, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और श्रीनगर समेत कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बैंक बंद रहेंगे।

अंबानी–अडानी को लगा बड़ा झटका, दुनिया के शीर्ष 15 अमीरों की सूची से हुए बाहर

दुनिया के शीर्ष अमीरों की सूची में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इस सूची में भारत के दो उद्योगपति भी शामिल हैं, जिसमें मुकेश अंबानी और गौतम अडानी शामिल है। वहीं अब टॉप 10 बिल्यनेयर की सूची में शामिल नौ अमीरों को बीते 24 घंटों में बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। शेयरों में लगातार हो रही

गिरावट के कारण भारत के अमीर उद्योगपतियों पर भी नकारात्मक प्रभाव हुआ है। भारत के अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की नेटवर्थ पर भी इसका असर देखा गया है। दोनों की संपत्ति में गिरावट हुई है, जिस कारण टॉप 15 उद्योगपतियों की सूची से वो बाहर हो गए है।

बेजोस और मस्क को भी लगा झटका

अमीरों की सूची में शामिल टॉप 10 उद्योगपतियों को ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक नुकसान हुआ है। एलन मस्क हो या जेफ बेजोस सभी को नुकसान उठाना पड़ा है। एलन मस्क की नेट वर्थ गिरकर 258 अरब डॉलर रह गई है जिसमें 4.39 अरब डॉलर कम हुए है। वहीं जेफ बेजोस की नेटवर्थ की बात करें तो ये 1.94 अरब डॉलर कम होकर 218 अरब डॉलर पर आ गई है। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग की संपत्ति 2.23 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 199 अरब डॉलर हो गई है। खासबात है कि इस पूरी सूची में फायदा सिर्फ माइक्रोसॉफ्ट के को फाउंडर बिल गेट्स को हुआ है। शीर्ष 10 अरबपतियों की सूची में शामिल बिल गेट्स की संपत्ति में 373 मिलियन डॉलर बढ़ गए है। उनकी संपत्ति बढ़कर अब 157 अरब डॉलर हो गई है। वहीं लैरी एलिसन को 538 मिलियन डॉलर, बर्नार्ड अर्नाल्ट को 353 मिलियन डॉलर, लैरी पेज को 1.49 अरब डॉलर, सर्गेई ब्रिन को 1.39 अरब डॉलर, स्टीव बाल्मर को 610 मिलियन डॉलर और वॉरेन बफे को 2.76 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा है।

हेजलवुड ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मजबूत वापसी कर सकता है भारत

सिडनी। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का मानना घ्है कि न्यूजीलैंड से श्रृंखला में करारी हार से भारत का आत्मविश्वास डगमगा गया होगा, लेकिन उन्होंने अपनी टीम को आगाह करते हुए कहा कि भारतीय टीम अधिक आक्रामक होकर 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में जोरदार वापसी कर सकती है। भारत को न्यूजीलैंड से तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा। यह पहला अवसर है जबकि घरेलू धरती पर तीन या इससे अधिक टेस्ट मैच की श्रृंखला में उसका सूपड़ा साफ हुआ। हेज़लवुड ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा,''वह (भारत) घायल शेर की तरह वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगा। श्रृंखला शुरू होने पर ही हमें पता चलेगा की चीजें कैसे आगे बढ़ रही हैं।'' घरेलू धरती पर हार न केवल भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास के सबसे बुरे दौर में से एक है, बल्कि इससे रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम की अगले साल के विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाओं को भी करारा झटका लगा है। लगातार तीन हार का मतलब है कि भारत ने डब्ल्यूटीसी तालिका में ऑस्ट्रेलिया से अपना शीर्ष स्थान गंवा दिया है। भारत को लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने पांच में से चार मैच जीतने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हेज़लवुड ने कहा, ''इस करारी हार से उनका आत्मविश्वास कुछ डगमगाया होगा। उसके कुछ खिलाड़ी यहां खेल चुके हैं लेकिन कुछ ऐसे बल्लेबाज हैं जिनको यहां खेलने का अनुभव नहीं है। इसलिए वह पूरी तरह

से सुनिश्चित नहीं होंगे कि उन्हें यहां किस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यह परिणाम निश्चित रूप से हमारे लिए अच्छा होगा।'' उन्होंने कहा,''न्यूजीलैंड की टीम को भी श्रेय मिलना चाहिए। उन्होंने पूरी श्रृंखला में शानदार क्रिकेट खेली। श्रृंखला तो छोड़ो भारत में एक मैच जीतना भी काफी मुश्किल होता है।'' भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। हेज़लवुड ने कहा,''हम इसके लिए तैयार हैं।यह श्रृंखला हमारे लिए काफी मायने रखती है। जब भी हम भारत के खिलाफ खेलते हैं तो वह एशेज में खेलने जैसा होता है। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक बड़ी संख्या में मैच देखने के लिए आएंगे और टीवी रेटिंग भी बहुत ज्यादा हो सकती है।

मैदान में 'विराट' स्कोर बनाने वाले कोहली मना रहे 36वां बर्थडे, जानिए क्यों कहा जाता है क्रिकेट का किंग

आज यानी की 05 नवंबर को भारतीय टीम के स्टार बैटर विराट कोहली अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं। मौजूदा समय में किंग कोहली भारतीय टीम के अहम खिलाड़ी हैं। उन्होंने टीम इंडिया के लिए काफी अहम और शानदार पारियां खेली हैं। बता दें कि साल 2024 में कोहली ने टी20 विश्व कप 2024 में भारत के खिताब जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। अब किंग कोहली टेस्ट और वनडे क्रिकेट में खेलते हुए नजर आते हैं। जब कोहली अपने पूरे रंग में होते हैं, तो बड़े से बड़ा गेंदबाज उनके सामने पानी मांगता नजर आता है। वहीं किंग कोहली की दीवानगी से हर कोई भली–भांति वाकिफ हैं। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर क्रिकेटर विराट कोहली के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म

दिल्ली में 05 नवंबर को विराट कोहली का जन्म हुआ था। दिल्ली के उत्तम नगर में कोहली पले–बढ़े और उन्होंने इसी शहर से अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत सिर्फ 9 साल की उम्र में किया था। उन्होंने पहली बार 9 साल की उम्र में बल्ला थामा था। विराट कोहली ने बचपन के कोच राजकुमार शर्मा की देखरेख में क्रिकेट की बारीकियों को सीखा है। घरेलू क्रिकेट में रखा कदम बता दें कि साल 2002 में विराट कोहली ने घरेलू क्रिकेट में कदम रखा। दिल्ली की अंडर–15 टीम की ओर से विराट ने अपना पहला मैच खेला और उन्होंने 2003 में टीम की कमान भी सौंप दी गई। जिसके बाद अंडर–15 में अपने बल्ले से धमाल मचाने वाले कोहली की सिलेक्शन विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए हुआ।

पिता के निधन के बाद पलटा करियर साल 2006 में विराट कोहली के पिता प्रेम कोहली का हार्ट अटैक के कारण निधन हो गया। पिता की मृत्यु के बाद भी विराट अगले दिन कर्नाटक के खिलाफ खेले गए मैच में उतरे और इस दौरान न वह सिर्फ ग्राउंड पर उतरे बल्कि 90 रनों की शानदार पारी खेली। कहा जाता है कि यही से किंग कोहली के असली करियर की शुरूआत हुई थी। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अंडर–19 चौंपियन

विराट कोहली ने अपनी कप्तानी में साल 2008 में भारतीय टीम को अंडर–19 चौंपियन बनाया और खूब सारी सुर्खियां बटोरी। अंडर–19 में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर कोहली की प्स में एंट्री हुई और रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर ने विराट कोहली पर बड़ा दांव खेला।

इंटरनेशनल करियर

साल 2008 में इंटरनेशनल क्रिकेट की पिच पर विराट कोहली ने पहली बार कदम रखा। हालांकि वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए मैच में कोहली खास कमाल नहीं दिखा सके और 4 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद किंग कोहली ने भारतीय टीम के लिए कई शानदार पारियां खेलीं। जिसके चलते उनको वर्ल्ड कप 2011 की टीम में जगह मिली। इस फाइनल मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ कोहली ने 35 रन की पारी खेली। अब तक विराट भारत के लिए 111 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। जिनमें से खेली गई 187 पारियों में कोहली के बल्ले से 49.29 की औसत से 8676 रन निकले हैं। कोहली के नाम पर क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में 29 शतक और 29 अर्धशतक दर्ज हैं।

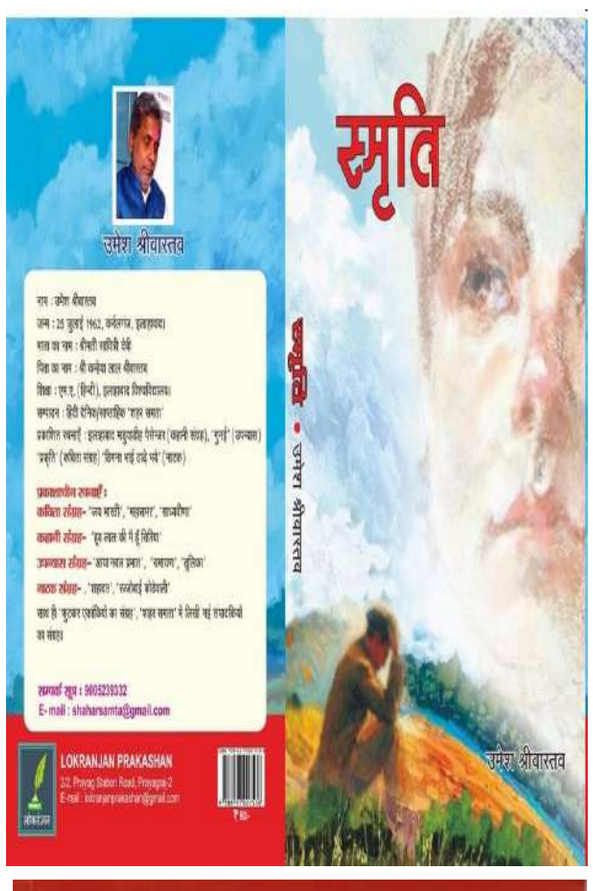

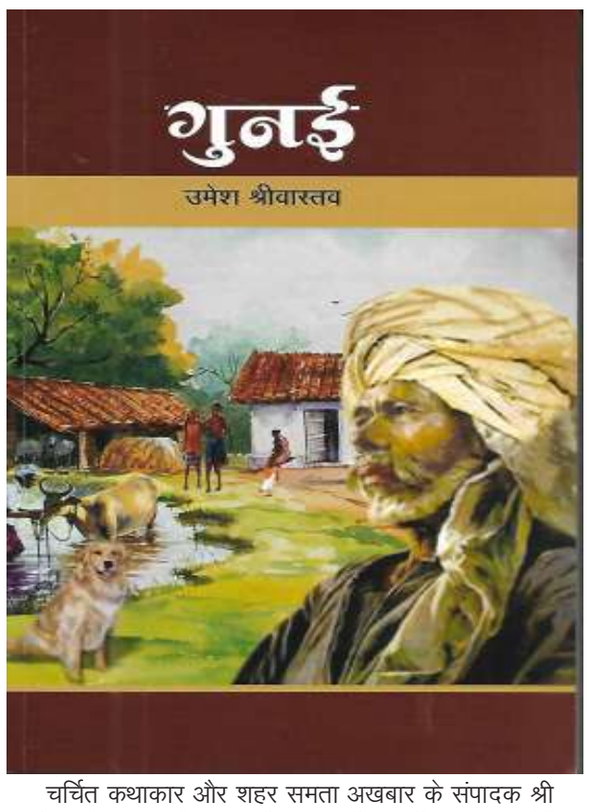

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

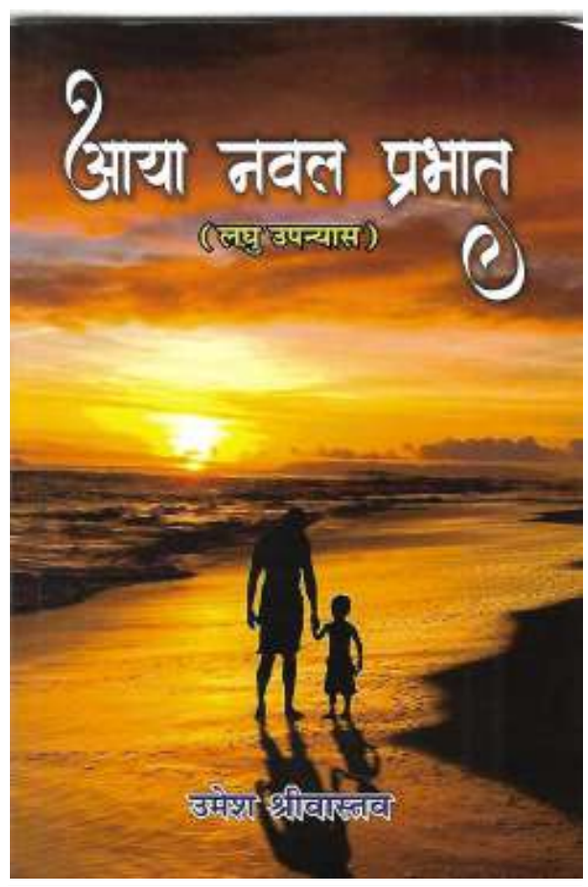

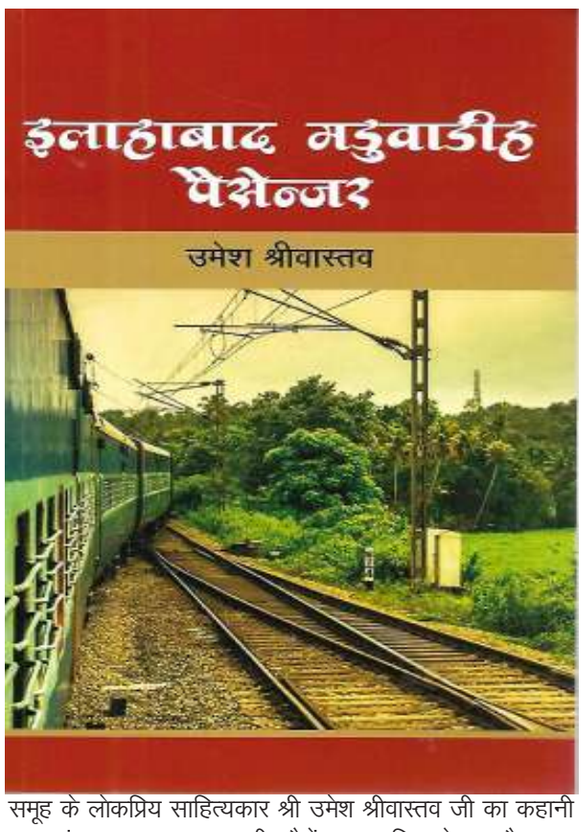

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

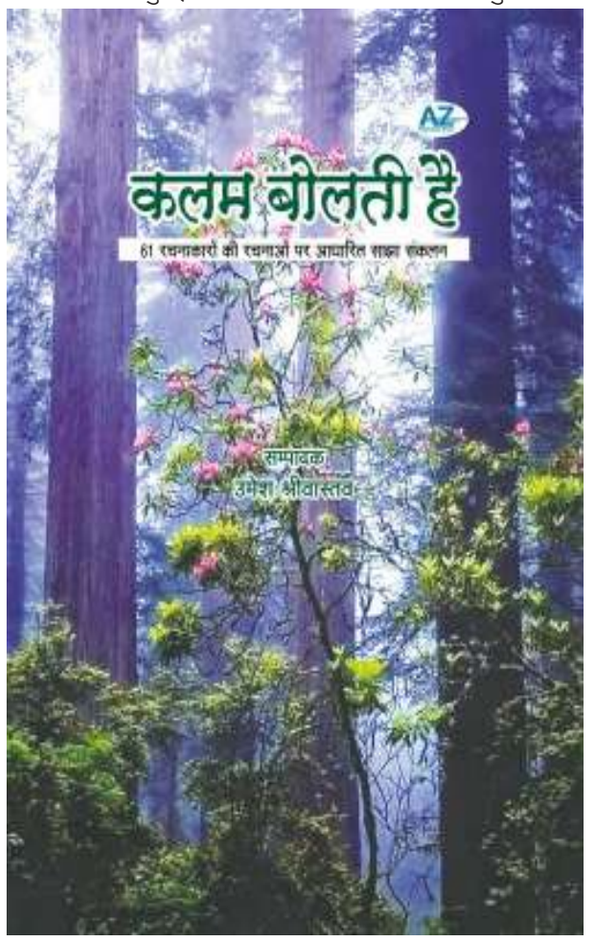

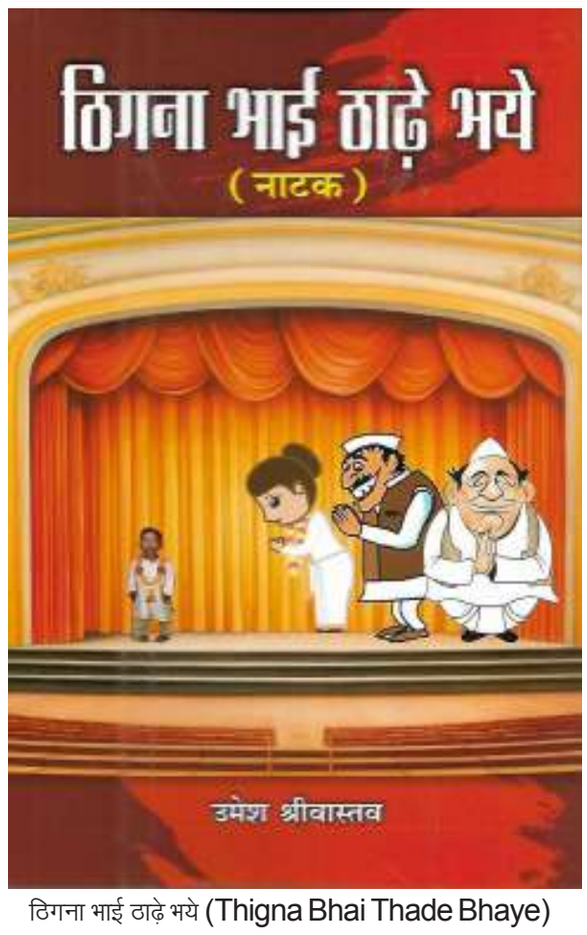

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ये बेहद चिंताजनक, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंदिर पर हमले को लेकर ट्रूडो सरकार को घेरा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने को कहा कि कनाडा में एक हिंदू मंदिर में हुई तोड़फोड़ बेहद चिंताजनक है। आधिकारिक यात्रा के दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई राजधानी कैनबरा में संवाददाताओं से कहा कि कनाडा के हिंदू मंदिर में कल जो हुआ वह स्पष्ट रूप से बेहद चिंताजनक था। यह घटना ओटावा द्वारा कनाडा में 2023 में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या से जोड़कर छह भारतीय राजनयिकों को निष्कासित करने के कुछ सप्ताह बाद हुई। कनाडा ने भारत सरकार पर कनाडा में दक्षिण एशियाई असंतुष्टों के खिलाफ व्यापक

अभियान चलाने का आरोप लगाया है, जिससे नई दिल्ली इनकार करती है। इस घटना से कनाडा और भारत तथा सिख अलगाववादियों और भारतीय राजनयिकों के बीच तनाव बढ़ गया है। पिछले महीने कैनबरा में दो हिंदू मंदिरों में भी तोड़फोड़ की गई थी। इस घटना के बाद ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने भारतीय समुदाय के सदस्यों के लिए परेशान करने वाला बताया था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि पूरे ऑस्ट्रेलिया में लोगों को सुरक्षित और सम्मानित होने का अधिकार है, लोगों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का भी अधिकार है, लोगों को शांतिपूर्वक अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार है। हम उसके और हिंसा, घृणा या बर्बरता को बढ़ावा देने के बीच एक रेखा खींचते हैं। वोंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने सिख अलगाववादियों को निशाना बनाने पर कनाडा के आरोपों के बारे में भारत को अपने विचार व्यक्त किए थे और कैनबरा कनाडा की न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करता है। जयशंकर ने कहा कि यह अस्वीकार्य है कि भारतीय राजनयिकों को कनाडा द्वारा निगरानी में रखा गया है।

पाकिस्तान में कंगाली के हालात, अध्यापकों को आठ महीने से नहीं मिली सैलरी, मजदूरों से भी कम हैं वेतन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति खराब है और अब हालात ये हो गए हैं कि वह स्कूलों में पढ़ाने वाले अध्यापकों को सैलरी भी नहीं दे पा रही है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य में सरकारी अध्यापकों को बीते आठ महीने से सैलरी नहीं मिली है। इसके चलते स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों छात्र–छात्राओं का भविष्य अधर में लटक गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिन अध्यापकों को सैलरी नहीं मिली है, वे 2200 गर्ल्स कम्युनिटी स्कूलों, 541 बेसिक शिक्षा स्कूलों और 275 नेशनल कमीशन ऑफ ह्युमन डेवलेपमेंट स्कूलों के अध्यापक हैं। गौर करने वाली बात ये है कि पाकिस्तान में सरकार ने अकुशल कामगारों का न्यूनतम वेतन भी 36 हजार पाकिस्तानी रुपये तय किया हुआ है, लेकिन अध्यापकों को मजदूरों से भी कम यानी कि 21 हजार रुपये ही वेतन मिलता है। अध्यापकों की सैलरी देने के लिए दो अरब रुपये की जरूरत है, लेकिन सरकार की तरफ से फंड जारी नहीं किया जा रहा है। फाउंडेशन ने बताया कि पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर जरीफुल मानी के स्थानांतरण के बाद अध्यापकों की सैलरी अटक गई है। अध्यापकों का कहना है कि अब उनके पास घर चलाने के लिए पैसे भी नहीं है और उन्हें भारी आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्कूल किराए की इमारतों में चल रहे हैं और फंड जारी न होने की वजह से इन इमारतों को खाली करने का खतरा पैदा हो गया है। यही वजह है कि कई स्कूल बंद होने के कगार पर पहुंच गए हैं।

ट्रंप या हैरिस, अमेरिकी चुनाव से ठीक पहले आ गय जयशंकर का बड़ा बयान

अमेरिका में ऐतिहासिक राष्ट्रपति चुनाव के लिए आज मतदान होने जा रहा है। रिपब्लिकन पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की उनकी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस ने प्रमुख चुनावी राज्यों का दौरा किया और मतदान के दिन से पहले अपनी कैंपेन इंडिंग स्पीच दी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता करते हुए वैश्विक महत्व के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बारे में भी बात की। जयशंकर ने कहा कि हमने पिछले 5 राष्ट्रपतियों के दौरान अमेरिका के साथ अपने संबंधों में लगातार प्रगति देखी है, जिसमें ट्रम्प का पूर्ववर्ती राष्ट्रपति काल भी शामिल है। इसलिए, जब हम अमेरिकी चुनाव को देखते हैं, तो हमें पूरा विश्वास होता है कि फैसला जो भी हो, अमेरिका के साथ हमारे संबंध केवल बढ़ेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में वीपी कमला हैरिस के नेतृत्व वाले डेमोक्रेट और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व वाले रिपब्लिकन आमने–सामने होंगे क्योंकि 5 नवंबर से मतदान शुरू हो जाएगा। राष्ट्रपति जो बिडेन द्वारा अपनी उम्र को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच राष्ट्रपति पद की दौड़ छोड़ने के बाद हैरिस को डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया था। ऐसा विशेष रूप से जून में डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बहस में उनके खराब प्रदर्शन के बाद हुआ था। वह पहली महिला, पहली अश्वेत और पहली एशियाई अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैं। अगर राष्ट्रपति चुनी गईं तो 59 वर्षीय हैरिस इतिहास में अमेरिकी राष्ट्रपति बनने वाली पहली महिला बन जाएंगी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

श्रीलंका की नई सरकार ने आईएमएफ राहत पैकेज के लिए प्रमुख आर्थिक सुधार को पलटा

कोलंबो। श्रीलंका में नई नेशनल पीपल्स पावर (एनपीपी) सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बिजली संयंत्रों, पारेषण और वितरण प्रक्रियाओं का निजीकरण नहीं करने की घोषणा की। सरकार ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के राहत पैकेज कार्यक्रम के तहत किसी प्रमुख आर्थिक सुधार को पलटने की घोषणा की है। सरकार ने तत्कालीन राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की सरकार द्वारा इस वर्ष जून में स्वीकृत विद्युत अधिनियम को रद्द कर दिया और सरकारी विद्युत इकाई सीलोन विद्युत बोर्ड (सीईबी) में बड़े सुधारों की घोषणा की। विद्युत अधिनियम रद्द किए जाने के बाद मार्क्सवादी एनपीपी ट्रेड यूनियनों ने इसके खिलाफ आंदोलन किया था। सीईबी श्रम संघ के नेता 14 नवंबर को होने वाले संसदीय चुनाव में एनपीपी के उम्मीदवार हैं। सीईबी ने सोमवार को बयान में कहा कि इकाई के निजीकरण कार्यक्रम को समाप्त कर दिया जाएगा और सीईबी सुधार अधिनियम 2024 में संशोधन करने का संकल्प लिया गया है। इसमें कहा गया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बिजली संयंत्रों, पारेषण और वितरण प्रक्रियाओं का निजीकरण नहीं किया जाएगा। सीईबी सुधार अधिनियम 2024 ने बिजली उत्पादन में निजी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा का मार्ग प्रशस्त किया है। इस कदम का उद्देश्य सार्वजनिक वित्त पर बोझ कम करना और 2030 तक अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी को 70 प्रतिशत तक बढ़ाना है। सीईबी सुधारों का उद्देश्य राजकोषीय घाटे को कम करना था, जो 2023 में तय किए गए करीब तीन अरब डॉलर के कार्यक्रम में श्रीलंका द्वारा आईएमएफ के लिए की गई एक प्रमुख प्रतिबद्धता थी। एनपीपी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके की सरकार का दावा है कि सीईबी का निजीकरण नए राष्ट्रपति को मिले जनादेश के विरुद्ध है। दिसानायके ने सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव में 42 प्रतिशत वोटों के साथ जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय विमानन कंपनी श्रीलंकन घ्घ्यरलाइंस का निजीकरण न करने की घोषणा के बाद एनपीपी सरकार द्वारा सुधार नीति में यह दूसरा बड़ा फैसला है।

LoC के पास होवित्जर तोपों की टेस्टिंग कर रहा है पाकिस्तान, शूट एंड स्कॉट से 40 सेकेंड में छह फायर

पाकिस्तान ने 155 एमएम सएस होवित्जर के साथ साथ कई सारे हथियारों का परीक्षण किया है। ये सभी परीक्षण जम्मू कश्मीर सीमा यानी एलओसी के पास किए गए हैं। 155 एमएम तोप एसएस होवित्जर का वर्जन है जो अपनी खास शूट एंड स्कॉट (शूट करो और भागो) क्षमता के लिए मशहूर है। 155 एमएम वाली तोप को चीनी सरकार के स्वामित्व वाली रक्षा कंपनी की देखरेख में एक खाड़ी देश के सहयोग से तैयार किया गया है। पाकिस्तान ये परीक्षण ऐसे वक्त में कर रहा है जब वो खाड़ी, पश्चिमी यूरोपीय देशों और लंबे समय से सहयोगी तुर्की के साथ रक्षा सहयोग को मजबूत कर रहा है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया है कि सरकारी स्वामित्व वाली चीनी रक्षा कंपनी की देखरेख में खाड़ी देश के सहयोग से 155 एमएम तोपों को तैयार किया गया है। इन तोपों की हाल ही में एलओसी के पास आवाजाही देखी गई है। पाकिस्तान जिन हथियारों का परीक्षण कर रहा है उनमें एमवन 09 भी शामिल है। इसकी मारक क्षमता 24 किलोमीटर है। ये सिर्फ 40 सेकेंड में छह गोली दाग सकता है। अधिकारियों के मुताबिक ये तोपखाना प्रणाली पश्चिमी यूरोपीय देश से हासिल की गई है और इसके उन्नत वर्जन की परीक्षण हो रही है। उसके बाद इसे सेना में शामिल करने के बाद में सोचा जाएगा। आपको बता दें कि पाकिस्तान के बलूचिस्तान में जोरदार धमाका हुआ। इस धमाके में पांच बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई। विस्फोट सुबह आठ बजकर 35 मिनट पर प्रांत के मस्तुंग जिले के सिविल अस्पताल चौक स्थित एक कन्या माध्यमिक स्कूल के पास हुआ। मस्तुंग केउपायुक्त बाज मुहम्मद मर्री ने शाम के समय कहा कि मृतकों की संख्या नौ हो गई है। उन्होंने कहा कि इनमें में पांच लड़कियां, एक लड़का, एक पुलिस अधिकारी और दो अन्य व्यक्ति हैं। इससे पहले, मस्तुंग जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) मियांदाद उमरानी ने पुष्टि की कि विस्फोट के बाद पांच स्कूली बच्चों समेत सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा, घायलों की संख्या लगभग 27 है और कुछ घायलों को कुछ स्थानीय निवासी खुद ही अस्पतालों तक ले गए। प्रतिबंधित अलगाववादी संगठनों ने पिछले 2–3 महीनों में अपने आतंकी हमले तेज कर दिए हैं। हाल ही में पंजगुर में एक बांध पर पांच सुरक्षा कर्मियों और श्रमिकों की हत्या कर दी गई थी। हमले के बाद टीवी फुटेज में पुलिसकर्मियों और अन्य लोगों को एक जले हुए वाहन के आसपास देखा गया। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने विस्फोट की निंदा की।

कमला राष्ट्रपति, ट्रंप उपराष्ट्रपति! डेमोक्रेट–रिपब्लिकन में टाई हुआ तो क्या ऐसे होगा फैसला ?

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए आज चुनाव है। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट कैंडिडेट कमला हैरिस के बीच सीधी भिड़ंत है। ऐसे में कई मुख्य सवाल उठ रहे हैं। सवाल ये है कि जिस तरह की कांटे की टक्कर दोनों ही उम्मीदवारों के प्रति दिखाई पड़ रही है, ऐसी स्थिति में क्या होगा अगर ये चुनाव टाई हो जाता है। टाई यानी कोई नतीजा न निकले और दोनों में मुकाबला बराबरी में समाप्त हो जाए। ऐसी परिस्थितियां तब बनती है जब बहुत कांटे का मुकाबला हो या फिर दो से अधिक लोगों के पास राष्ट्रपति पद के मैंडेट चले जाए। इसके अलावा एक परिस्थिति ये भी है कि कई उम्मीदवारों को इलेक्टोरल वोट्स प्राप्त हो जाए और इस स्थिति में किसी एक को बहुमत हासिल न हो। इसके अलावा जिनके हिस्से में ये दावेदारी है यानी इलेक्टर्स वो किसी को मैजॉरिटी देने से इनकार कर दें और अपनी उस उम्मीदवार के प्रति आस्था जाहिर करने से इनकार कर दें। जिसके प्रति उन्होंने पहले से शपथ लिया हो। अमेरिकी राष्ट्रपति के पद के लिए मौजूदा चुनाव ट्रंप और हैरिस के बीच लड़ा जा रहा है। चुनावी सर्वे में दोनों ही उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है। राष्ट्रीय सर्वेक्षण में ट्रंप 0.1 प्रतिशत अंक से आगे हैं, जबकि अहम राज्यों में पूर्व राष्ट्रपति को 0.9 प्रतिशत अंकों की बढ़त हासिल है। द हिल के अनुसार, राष्ट्रपति पद की दौड़ में कड़ा मुकाबला दिख रहा है और किसी भी उम्मीदवार को स्पष्ट बढ़त मिलती नहीं दिख रही। एनबीसी न्यूज ने कहा कि सर्वेक्षण से पता चलता है कि हैरिस को आमने–सामने के मुकाबले में 49 प्रतिशत पंजीकृत मतदाताओं का समर्थन मिल रहा है, जबकि ट्रंप को भी इतने ही प्रतिशत यानी 49 प्रतिशत का समर्थन मिल रहा है। समाचार चौनल ने कहा कि सिर्फ दो प्रतिशत मतदाताओं का कहना है कि वे चुनाव को लेकर अनिश्चितता की स्थिति में हैं। 538 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं जिसमें से 270 वोट पाने वाला उम्मीदवार राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत जाता है और उसकी सरकार आ जाती है। ऐसे में क्या हो जब बहुमत न हो तो। इसका तरीका अमेरिकी संविधान के मुताबिक निकाला गया है। इसमें कहा गया है कि अगर किसी को वोटिंग की आम प्रक्रिया के तहत मैंडेट न मिले तो उसके लिए कंटीजेंट इलेक्शन का एक प्रावधान है। इसके जरिए राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का चुनाव किया जाता है। राष्ट्रपति का चुनाव हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के जरिए होता है। सीनेट के जरिए उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना जाता है। ऐसे में ये भी हो सकता है कि अगर सीनेट में रिपब्लिकन को बहुमत नहीं है डेमोक्रेट के पास बहुमत है। हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव अपना पसंदीदा उम्मीदवार के तौर पर डेमोक्रेट को चुन लेता है तो ये भी परिस्थिति बन सकती है कि आपको राष्ट्रपति डेमोक्रेट्स का और उपराष्ट्रपति रिपब्लिकन का हो सकता है।

कनाडा में हिंदुओं ने ब्रैम्पटन मंदिर पर खालिस्तानी हमले के खिलाफ प्रदर्शन किया

कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर खालिस्तानी हमले के मद्देनजर, कनाडा में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर चिंता व्यक्त करने के लिए मंगलवार को एक हजार से अधिक कनाडाई हिंदू समुदाय के सदस्य ब्रैम्पटन में एकत्र हुए। यह विरोध प्रदर्शन कनाडा के सबसे बड़े मंदिरों में से एक, हिंदू सभा मंदिर के बाहर हुआ, जिसमें सुरक्षा और जवाबदेही की मांग को लेकर पूरे ओंटारियो से प्रतिभागियों ने शांतिपूर्ण रैली में हिस्सा लिया। उत्तरी (CoHNA) द्वारा आयोजित इस बढ़ती असुरक्षा की भावना को उजागर ट्विटर) पर रैली का विवरण साझा एकजुटता के साथ खड़े होने के कनाडाई अधिकारियों से लक्षित हिंसा करने का आग्रह किया गया। रैली का आयोजन कनाडा के एजेंसियों पर खालिस्तानियों को बनाने के लिए किया जा रहा है। दौरान कनाडा भर में हिंदू मंदिरों पर और देश में हिंदूफोबिया को रोकने का आह्वान किया। पोस्ट में लिखा था, हिंदू मंदिरों पर बढ़ते हमलों के विरोध में एक हजार से अधिक रुकनाडाई हिंदू ब्रैम्पटन में एकत्र हुए हैं। इसमें आगे कहा गया, कल, पवित्र रुदिवाली सप्ताहांत के दौरान, कनाडा के तट से तट तक हिंदू मंदिरों पर हमला किया गया। हम कनाडा से इस रुहिंदूफोबिया को तुरंत रोकने का अनुरोध करते हैं!

अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन विरोध प्रदर्शन ने कनाडाई हिंदुओं में किया। CoHNA ने एक्स (पूर्व में किया, जिसमें हिंदू प्रवासियों को लिए प्रोत्साहित किया गया और की घटनाओं में वृद्धि को संबोधित प्रदर्शनकारियों ने कहा कि एकजुटता राजनेताओं और कानून प्रवर्तन समर्थन देने से बचने के लिए दबाव CoHNA ने दिवाली सप्ताहांत के हुए कई हमलों को उजागर किया

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट से कई मकानों को पहुंचा नुकसान, कम से कम 10 लोगों की मौत

मौमेरे (इंडोनेशिया) । इंडोनेशिया के फ्लोरेस द्वीप में ज्वालामुखी में हुए विस्फोटों के कारण कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है। माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी के एक अधिकारी फरमान यूसुफ ने बताया कि सोमवार को आधी रात के बाद हुए विस्फोट के कारण 2,000 मीटर ऊंचाई तक राख हवा में फैल गई और गर्म राख ने पास के कई गांवों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कैथोलिक ननों के एक कॉन्वेंट सहित कई मकान जल गए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने बताया कि बचावकर्मी ज्वालामुखी विस्फोटों के कारण ढहे हुए मकानों के मलबे के नीचे दबे शवों की अब भी तलाश कर रहे हैं। मुहरी ने बताया कि इस घटना में सभी शव ज्वालामुखी के मुहाने के चार किलोमीटर के दायरे में पाए गए। उन्होंने बताया कि ज्वालामुखी विस्फोटों से वुलांगिटांग जिले के छह गांवों और इले बुरा जिले के चार गांव प्रभावित हुए हैं और यहां रह रहे कम से कम 10,000 लोगों पर इसका असर पड़ा। देश की ज्वालामुखी विज्ञान एजेंसी ने ज्वालामुखी विस्फोट बढ़ने के साथ ही चेतावनी की स्थिति को उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया है और निषिद्ध क्षेत्र के दायरे को सोमवार को आधी रात के बाद बढ़ाकर सात किलोमीटर कर दिया।

वोटरों को इनाम का लालच देकर धोखे से अपना एजेंडा आगे बढ़ा रहे थे मस्क? वकील ने किया बड़ा खुलासा

वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर रिपब्लिकन और डेमोक्रेट पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी है। दोनों पार्टियों के समर्थकों ने भी जोर–शोर से प्रचार अभियान चलाया। इनमें एक नाम टेस्ला और स्पेस–एक्स जैसी कंपनियों के मालिक एलन मस्क का भी रहा, जिन्होंने डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने के बाद वोटरों को अपने अभियान से जोड़ने के लिए लॉटरी तक का एलान कर दिया। मस्क ने शर्त रखी कि संविधान के समर्थन में उनकी याचिका पर हस्ताक्षर करने वाले लॉटरी विजेता को 10 लाख डॉलर तक इनाम दिया जाएगा। हालांकि, अब यह खुलासा हुआ है कि इस लॉटरी में जीतने वाले लोग श्कहीं से भीश या श्कोई भीश नहीं होता था, बल्कि लॉटरी में ऐसे शख्स को चुना जाता था, जो कि मस्क के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए अच्छा प्रक्ता साबित हो। पहले जानें– क्या थी मस्क की लॉटरी? अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने अमेरिकी मतदाताओं से वादा किया था कि राष्ट्रपति चुनाव तक हर दिन किसी एक मतदाता के 10 लाख डॉलर जीतने का मौका है। उन्होंने इसके लिए शर्त का एलान करते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति उनकी अमेरिकी संविधान का समर्थन करने वाली याचिका के लिए हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लेगा, उनमें से किसी एक अमेरिकी मतदाता को 10 लाख डॉलर का इनाम मिलेगा। मस्क ने कहा कि चुनाव की तारीख– 5 नवंबर तक हर दिन जारी रहेगा। कोर्ट में दी गई थी मस्क की इस स्कीम को चुनौती

हालांकि, मस्क की इस लॉटरी को पेंसिलवेनिया की एक अदालत में चुनौती दे दी गई। यहां कोर्ट में सुनवाई के दौरान अरबपति कारोबारी के वकील ने माना कि यह लॉटरी सांयोगिक (रैंडम) नहीं थी, बल्कि इसमें चुनाव के जरिए ही विजेता का एलान होता था। मस्क के वकील क्रिस गोबेर ने कोर्ट में जज को इस बात पर मनाने की कोशिश की कि मस्क की तरफ से दी जा रही 10 लाख डॉलर की राशि अवैध लॉटरी नहीं है। उन्होंने जज एंजेलो फोगलिएटा के सामने कहा कि इस लॉटरी में कोई भी इनाम नहीं था, बल्कि 10 लाख डॉलर पाने वाले को कॉन्ट्रैक्ट के तहत पीएसी के प्रक्ता के तौर पर सेवाएं देनी थीं। मस्क का सात राज्यों के मतदाताओं को लुभाने का प्रयास सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का भी मालिकाना हक रखने वाले एलन मस्क का लॉटरी खिलाने का यह प्रस्ताव सभी स्विंग स्टेट्स– एरिजोना, जॉर्जिया, मिशिगन, नेवाडा, नॉर्थ कैरोलाइना, पेंसिलवेनिया और विस्कॉन्सिन के लिए था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।